# देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–233 । सागर, गुरूवार, 12 अक्टूबर 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए



बस की छत पर सवार होकर घर जा रहे स्कूल के बच्चे पृष्ठ 2

▪ हमास-इजरायल युद्ध पर पीएम मोदी की एकतरफा प्रतिक्रिया अशुभ संकेत पृष्ठ 4

▪ संदेहास्पद लेन-देन की रिपोर्ट डीईओ कार्यालय को भेजी जाए प्रतिदिनः धुर्वे पृष्ठ 6

कलेक्टर एसपी पहुंचे बंडा, शाहगढ़ बॉर्डर का किया निरीक्षण पृष्ठ 8


## सार-समाचार

### प्रियंका गांधी आज मंडला आएंगी

**भोपाल, देशबन्धु।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी और प्रदेष कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ गुरूवार, 12 अक्टूबर को मंडला में कांग्रेस की विषाल जनसभा को संबोधित करेंगे ।

प्रदेष कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष के.के. मिश्रा ने बताया कि अभा कांग्रेस कमेटी के महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी एवं कमलनाथ दिल्ली से विषेष विमान से पूर्वान्ह 11 बजे जबलपुर पहुंचेंगे। नेताद्वय हेलीकाप्टर द्वारा पूर्वान्ह 11.15 बजे जबलपुर से प्रथान कर पूर्वान्ह 11.45 बजे मंडला पहुंचेंगे और वहां दोपहर 12 बजे कांग्रेस की विषाल जनसभा को संबोधित करेंगे। श्रीमती गांधी एवं कमलनाथ दोपहर 1.15 बजे हेलीकॉप्टर से मंडला से रवाना होकर दोपहर 1.45 बजे जबलपुर पहुंचेंगे। श्रीमती गांधी जबलपुर से विषेष विमान से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

### जम्मू-कश्मीर के पुंछ में गोली लगने से अग्निवीर की मौत

**जम्मू, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बुधवार को नियंत्रण रेखा पर गोली लगने से एक अग्निवीर की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि पुंछ जिले के मनकोट इलाके में नियंत्रण रेखा के पास तैनात सिपाही (अग्निवीर) अमृतपाल सिंह घटना के समय ड्यूटी पर थे। सिपाही की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और जांच शुरू कर दी है।

### दुष्कर्म मामले में दिल्ली कोर्ट ने शाहनवाज को समन भेजा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली की एक अदालत ने कथित बलात्कार और धमकी के एक मामले में भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन को समन भेजा है। न्यायाधीश ने बलात्कार (भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत दंडनीय) और आपराधिक धमकी (धारा 506) के अपराधों का संज्ञान लिया है। कोर्ट ने दुष्कर्म मामले में दिल्ली पुलिस की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें शाहनवाज हुसैन को क्लीन चिट दी गई थी। कोर्ट ने पुलिस की कैंसिलेशन रिपोर्ट को अस्वीकृत कर दिया है।

### लुटेरों ने टैक्सी ड्राइवर को 200 मीटर तक घसीटा, मौत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दक्षिण पश्चिम दिल्ली में लुटेरों के एक ग्रुप ने 43 साल के एक टैक्सी ड्राइवर की कार लूट ली और उसे 200 मीटर तक घसीटकर मार डाला। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान फरीदाबाद निवासी बिजेंद्र के रूप में हुई है, जो दिल्ली में राष्ट्रीय राजमार्ग 8 की सर्विस रोड के पास मृत पाया गया। वीके नॉर्थ पुलिस स्टेशन को रात करीब 11.20 बजे एक कॉल मिली। मंगलवार को घटनास्थल पर एक अज्ञात पुरुष का शव मिला, जिसके शरीर पर चोटों के निशान थे। अधिकारी ने कहा, आईपीसी की धारा 302 और 201 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

### पंजाब में ड्रग तस्कर गिरफ्तार, 4.94 करोड़ जब्त

**चंडीगढ़, एजेंसी।** अंतरराज्यीय मादक द्रव्य नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए, जम्मू-कश्मीर पुलिस और पंजाब पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में पंजाब के मुल्लांपुर दाखा से एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से वाहनों के 38 नकली नंबर प्लेट और एक रिवाल्वर के साथ 4.94 करोड़ रुपए जब्त किए। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को यह जानकारी दी। वह हाल ही में जम्मू में बरामद 30 किलोग्राम हेरोइन मामले में मुख्य आरोपियों में से एक है।

### ईडी के सामने पेश हुई अभिषेक की पत्नी रुजिरा

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं के संबंध में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा बनर्जी बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय के जांच अधिकारियों के सामने पेश हुईं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। ईडी के समन के अनुसार बनर्जी सुबह करीब 11 बजे साल्ट लेक के सीजीओ कॉम्प्लेक्स पहुंची। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी योग्य उम्मीदवारों को वंचित करके अयोग्य उम्मीदवारों को स्कूलों में नौकरियों के लिए कथित नकदी के लेन-देन की जांच कर रही है। यह पहली बार है कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे व डायमंड हार्बर लोकसभा सदस्य बनर्जी की पत्नी इस मामले में संघीय जांच एजेंसी के सामने पेश हुईं।

# इजरायल-हमास संघर्ष में लेबनान भी कूदा

- लेबनान के हिजबुल्लाह समूह ने टैंकरोधी मिसाइलों से इजरायली सेना पर हमला किया
- इजरायली रक्षा मंत्री नाटो देशों को संघर्ष की ताजा स्थिति की जानकारी देंगे

**तेल अवीव, एजेंसियां।** इजरायल और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच जंग में लेबनान भी शामिल हो गया है और लेबनान के हिजबुल्लाह समूह ने टैंकरोधी मिसाइलों से इज़रायली सेना पर हमला किया जिसके बाद इज़रायली सेना ने लेबनान की ओर भी मोर्चा खोल दिया है। उधर इज़रायली हमले में हमास के दो बड़े कमांडरों के मारे जाने की खबर के बीच गुरुवार को ब्रूसेल्स में नाटो की एक महत्वपूर्ण बैठक में इज़रायली रक्षा मंत्री नाटो देशों को संघर्ष की ताज़ा स्थिति की जानकारी देंगे।

ताज़ा आंकड़ों के अनुसार इज़रायली फौज के हाथों कम से कम 900 फिलिस्तीनियों की मौत हुयी जबकि हमास ने शनिवार को संघर्ष शुरू होने के बाद से 1200 से अधिक इजरायलियों को मौत के घाट उतारा है। हमास ने शनिवार को गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला करके दुनिया को चौंका दिया है।

इजरायल द्वारा सोमवार को पूरी तरह से नाकाबंदी करने के आदेश के बाद, गाजा पट्टी इलाके में पानी, खाद्य और ईंधन आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गयी। हमास से जुड़े एक फिलिस्तीनी चैनल 'अल अक्सा' ने बुधवार को बताया कि गाजा पट्टी के दक्षिण में इजरायली हवाई हमले के दौरान हमास आंदोलन की सशस्त्र शाखा, अल-कसम ब्रिगेड के कमांडर के रिश्तेदार मारे गए। एक इजरायली युद्धक विमान ने अल-कसम के मुख्य कमांडर मोहम्मद अल-दीफ के भाई के घर को निशाना बनाया। चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, हमले में घर को पूरी तरह से नष्ट हो गया और हमले में खान यूनिस शहर में उनके भाई, साथ ही उनके भाई के बेटे और बेटी की मौत हो गयी है। हालांकि यह पता नहीं चल सका है कि बमबारी के समय ब्रिगेड कमांडर घर में मौजूद था या नहीं। चैनल ने यह भी बताया कि हमले के परिणामस्वरूप कई लोग घायल हो गए।

### *तुर्की की दो एयरलाइनों ने उड़ानें निलंबित की*

***अंकारा।*** *गाजा पट्टी पर चल रहे संघर्ष के कारण तुर्की स्थित दो एयरलाइनों ने इजरायल से आने-जाने वाली उड़ानें निलंबित कर दी हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, तुर्की एयरलाइंस ने अगली सूचना तक उड़ानें निलंबित कर दी हैं। अपनी वेबसाइट के अनुसार, एयरलाइन का कहना है कि वह तेल अवीव फ्लाइटों वाले लोगों के लिए टिकट में कुछ बदलाव और रिफंड की अनुमति देगी।*

## चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव की तारीख बदली

# राजस्थान में अब 25 नवम्बर को होगा मतदान

- सामाजिक संगठनों के सुझाव के मद्देनजर लिया फैसला
- राजनीतिक दलों ने भी तारीख बदलने की मांग की थी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के सुझाव के मद्देनजर राजस्थान विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथि 23 नवम्बर की जगह 25 नवम्बर रखने की बुधवार को घोषणा की। आयोग ने एक बयान में कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से मिले सुझावों तथा मीडिया में 23 नवंबर के दिन विवाह के शुभ मुहुर्त और सामाजिक कार्यक्रमों के कारण आम लोगों को मतदान में भाग लेने में परेशानी से जुड़े मुद्दों को उठाए जाने के मद्देनजर राज्य में मतदान की तारीख में बदलाव का यह निर्णय लिया है। आयोग के अनुसार, इन सुझावों में कहा गया था कि 23 नवंबर को बड़ी संख्या में शादी-विवाह के कार्यक्रमों के कारण मतदान पर असर पड़ सकता है। चुनाव आयोग द्वारा राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए संशोधित कार्यक्रमों के अनुसार, चुनाव की अधिसूचना 30 अक्टूबर को गजट में प्रकाशित की जाएगी। नामांकन छह नवंबर तक किए जा सकेंगे। सात नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और उम्मीदवार नौ नवंबर तक नाम वापस ले सकेंगे। राज्य में 25 नवंबर को होने वाले मतदान की गणना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तीन दिसंबर को ही करायी जाएगी। चुनाव आयोग ने नौ अक्टूबर को राजस्थान विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा चार अन्य राज्यों मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और तेलंगाना विधानसभा के चुनाव कार्यक्रमों के साथ ही की थी। राजस्थान को छोड़कर, अन्य चारों राज्यों के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया।

### 23 नवंबर को देवउठनी एकादशी

इस बार 23 नवंबर 2023 को देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी। कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की एकादशी का विशेष महत्व माना गया है। इस दिन भगवान विष्णु चार माह की लंबी निद्रा से जागते हैं। इसलिए इस एकादशी को देवोत्थान या देवउठनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। आम भाषा में इस देवउठनी ग्यारस और ड्योठान के नाम से जाना जाता है। देवउठनी ग्यारस के साथ ही बड़े पैमाने पर विवाह जैसे शुभ कार्यों और मुहुर्तों की शुरुआत हो जाती है। इस दिन विशेषतौर पर बड़े पैमाने पर शादियां होती है।

## उत्तराखंड से लौटकर चुनाव प्रचार में जुटे शिवराज, भोपाल उत्तर में किया रोड शो बोले- विजय का संकल्प लेकर लौटा हूं

# मैंने कभी भेद नहीं किया

**भोपाल, देशबन्धु।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उत्तराखंड से लौटकर चुनाव में जुटे गए हैं। उन्होंने भोपाल उत्तर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा के समर्थन में रोड शो कर चुनाव अभियान की शुरूआत की।

रोड शो के बाद सभा को संबोधित करते हुए श्री चौहान `कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो विकास करती है। भाजपा की विजय का संकल्प लेकर आया हूं। श्री चौहान ने कहा कि मैंने कभी किसी में भेद नहीं किया। बहने मेरे लिए बहनें हैं, बेटियां मेरे लिए बेटियां हैं। वह कौन सी जाति की है, कौन से धर्म की है, ये मैंने कभी नहीं देखा। यह तुम्हारी जिंदगी बदलने के लिए हैं। श्री चौहान ने कहा कि मैं उत्तराखंड से गंगा जी की पूजा करके एक ही संकल्प लेकर आया हूं कि प्रदेश की धरती पर भारी बहुमतों से भाजपा की सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश के विकास को निरंतर नई गति दी है। विकास की इस रफ्तार को दोगुनी करने के लिए हम फिर मैदान में हैं। मुझे विश्वास है कि आप सभी का आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने भोपाल की उत्तर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कांग्रेस पर भोपाल उत्तर विधानसभा को विकास से दूर रखने का आरोप लगाया। उन्होंने सभा के दौरान उपस्थित जनसमूह से सवाल करते हुए कहा कि भोपाल वालो मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि वर्षों तक कांग्रेस ने प्रदेश और देश पर राज किया था। जबकि हमने प्रदेश में 17 साल सरकार चलायी, कांग्रेस ने तो 60 साल सरकार चलायी। प्रदेश की जनता के लिए कांग्रेस क्या किया..? मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राहुल बाबा से लेकर कमलनाथ तक रोज कांग्रेसी गाली देते रहते हैं। उन्होंने कहा कल तो कांग्रेस के कुछ लोगों ने ट्वीट कर मामा का श्राद्ध भी करवा दिया। मामा तेरा श्राद्ध हो गया। उन्होंने कहा मेरे मरने की भी दुआएं की जा रही हैं। श्री चौहान ने कहा कि मैं जनता का सेवक हूं अगर मर भी जाऊंगा तो राख के ढेर से फीनिक्स पक्षी की तरह अपनी जनता की सेवा के लिए पैदा हो जाऊंगा। उन्होंने कहा मेरे श्राद की दुआ करने वालों मैं भगवान से दुआ करता हूं, तुम्हें लंबी उम्र दे और भाजपा के शासन में तुम भी सुखी रहो।

### मेरे श्राद्ध की दुआ करने वाले जिए लंबी उम्र, रहें सुखी

### भांजों को निराश नहीं करेगा मामा

सभा के पूर्व का घटनाक्रम सुनाते हुए श्री चौहान ने कहा अभी एक छोटा सा बच्चा मेरे पास आया था, इसने मुझे एक चिट्ठी लिखी है। शिवराज मामा! निवेदन है कि, मेरे अब्बा 4 महीने से बीमार हैं वो चल नहीं पा रहे हैं, उनके पांव काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं अभी तुम्हारे अब्बा से भी मिलूंगा और जो तुमने कहा है कि मामा उनके इलाज में मदद करो बेटा पूरा इलाज होगा चिंता मत करना। मिस्बाह जैसे भांजों को ये मामा कभी निराश नहीं करेगा।

### चुनाव आयोग के निर्देश पर हटाए गए कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक

**भोपाल, देशबन्धु।** चुनाव आयोग के निर्देश पर 2 जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक हटाए गए हैं। विपक्ष की शिकायत पर यह कार्यवाही करने की चर्चा है।

जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग के निर्देश पर खरगोन कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा और रतलाम कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी को हटाकर मंत्रालय में उप सचिव पदस्थ किया गया है। वहीं गृह विभाग ने चुनाव आयोग से मिले निर्देश के बाद जबलपुर पुलिस अधीक्षक तुषारकांत विद्यार्थी और भिंड के पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री को हटाकर पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ किया गया है।

दोनों जिलों के कलेक्टरों का प्रभार जिले के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तथा पुलिस अधीक्षक का प्रभार जिले में पदस्थ वरिष्ठ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को दिया गया है। बताया जाता है कि आयोग इन कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षक के काम-काज से संतुष्ट नहीं था। चर्चा यह भी है कि विपक्ष की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। यह भी बताया जा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने अपने क्षेत्र में ब्राह्मणों को थाना प्रभारी बनाने को लेकर चुनाव आयोग को शिकायत की थी। उन्होंने अपनी शिकायत में अटेर से भाजपा विधायक अरविंद भदौरिया के क्षेत्र में ठाकुर थाना प्रभारी बनाने पर भी सवाल उठाए थे।

## सीबीआई ने न्यूजक्लिक के खिलाफ मामला दर्ज किया

# प्रबीर पुरकायस्थ के घर की तलाशी ली

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित तौर पर विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन को लेकर समाचार पोर्टल 'न्यूजक्लिक'के खिलाफ मामला दर्ज किया है और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दो स्थानों पर तलाशी ली है। बुधवार को सीबीआई की एक टीम दिल्ली में न्यूजक्लिक के फाउंडर और एडिटर प्रबीर पुरकायस्थ के घर गई और तलाशी ली।

टीम ने पुरकायस्थ की पत्नी गीता हरिहरन से पूछताछ की। इस महीने की शुरुआत में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया था और न्यूजक्लिक से जुड़े कई पत्रकारों के आवास पर छापेमारी की थी। इसके बाद पुलिस ने इस सिलसिले में दो लोगों प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया। दिल्ली पुलिस ने पहले कहा था कि परिसर में कुल 37 पुरुष और नौ महिला संदिग्धों से उनके रहने के स्थानों पर पूछताछ की गई। पुलिस ने पहले कहा था कि कुछ डिजिटल उपकरणों और दस्तावेजों को जब्त कर लिया गया है। उधर, न्यूजक्लिक ने एक्स पर लिखा, सीबीआई वर्तमान में न्यूजक्लिक कार्यालय और हमारे प्रधान संपादक के आवास पर तलाशी और जब्ती अभियान चला रही है। यह पांचवीं एजेंसी है जो हमारी जांच कर रही है। हम अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

## 3 नवम्बर को देशभर से जुटेंगे

# पुरानी पेंशन को लेकर फिर हुंकार भरेंगे कर्मचारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्र एवं राज्य सरकारों के कर्मचारी संगठन, पुरानी पेंशन को लेकर फिर हुंकार भरने की तैयारी कर रहे हैं। केंद्रीय कर्मियों की दो विशाल रैलियों के बाद अब तीन नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में ही तीसरी बड़ी रैली होने जा रही है।

कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्पलाइज एंड वर्कर्स के बैनर तले होने वाली इस रैली में ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्प्लाइज फेडरेशन सहित कई दूसरे कई संगठन हिस्सा लेंगे। रैली में केंद्र सरकार के समक्ष सात मांगें रखी जाएंगी। इनमें पहली मांग 'एनपीएस' की समाप्ति और 'पुरानी पेंशन' व्यवस्था को बहाल कराना है। इसके अलावा केंद्र सरकार में रिक्त पदों को नियमित भर्ती के जरिए भरना, निजीकरण पर रोक, आठवें वेतन आयोग का गठन और कोरोनाकाल में रोके गए 18 महीने के डीए का एरियर जारी करना, ये बातें भी कर्मचारियों की मुख्य मांगों में शामिल हैं।

केंद्र और राज्यों के कर्मचारी संगठनों ने सरकार को स्पष्ट तौर से बता दिया है कि उन्हें बिना गारंटी वाली 'एनपीएस' योजना को खत्म करने और परिभाषित एवं गारंटी वाली 'पुरानी पेंशन योजना' की बहाली से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। नई दिल्ली के रामलीला मैदान में दस अगस्त को कर्मियों की रैली हुई थी। ओपीएस के लिए गठित नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) की संचालन समिति के राष्ट्रीय संयोजक एवं स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद 'जेसीएम' के सचिव शिवगोपाल मिश्रा ने रैली में कहा था, लोकसभा चुनाव से पहले पुरानी पेंशन लागू नहीं होती है तो भाजपा को उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कर्मियों, पेंशनरों और उनके रिश्तेदारों को मिलाकर यह संख्या दस करोड़ के पार चली जाती है। चुनाव में बड़ा उलटफेर करने के लिए यह संख्या निर्णायक है। एक अक्तूबर को रामलीला मैदान में ही 'पेंशन शंखनाद महारैली' आयोजित की गई थी।

## मध्य प्रदेश में कांग्रेस की पहली सूची का इंतजार

# भाजपा-कांग्रेस के बागियों पर छोटे दलों की नजर

- बसपा में शामिल हो चुके हैं दोनों दलों के कई बागी
- भाजपा ने 136 सीटों पर अपने उम्मीदवार किए घोषित

**भोपाल, एजेंसी।** मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव का पारा धीरे-धीरे चढ़ने लगा है। भाजपा जहां उम्मीदवारों की चार सूचियां जारी कर चुकी है वहीं कांग्रेस की पहली सूची का इंतजार है। इन हालातो में छोटे दलों की पूरी नजर दोनों ही प्रमुख दलों के असंतुष्ट और बागियों पर है। बसपा ने तो भाजपा और कांग्रेस के बगियों को उम्मीदवार बनाना भी शुरू कर दिया है। राज्य में 17 नवंबर को मतदान होना है और दिसंबर में नतीजे आने के बाद सरकार का गठन भी हो जाएगा। राजनैतिक दलों में इन दिनों उम्मीदवार के चयन की प्रक्रिया चल रही है। राज्य में विधानसभा की 230 सीटें हैं इनमें से भाजपा चार सूचियां जारी कर 136 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है, वहीं कांग्रेस की ओर से 15 अक्टूबर को पहली सूची आने की संभावना जताई जा रही है।भाजपा और कांग्रेस में बड़ी तादाद में ऐसे लोग हैं जो उम्मीदवार बनने के लिए दावेदारी कर रहे हैं मगर उन्हें टिकट मिलेगा या नहीं, पार्टी उम्मीदवार बनाएगी या नहीं, यह तय नहीं हो पा रहा है, लिहाजा कई नेताओं ने तो अभी से बगावती तेवर अपना लिए हैं।

### सपा व आप के भी संपर्क में कई नेता

बहुजन समाज पार्टी ने भी उम्मीदवारों के नाम तय करना शुरू कर दिए हैं और जो सूचियां आई हैं उनमें कई बागी नेता हैं जिन्होंने बीजेपी और कांग्रेस का दामन छोड़ा है, अब वह बसपा में शामिल हो चुके हैं। बसपा ने छतरपुर से कांग्रेसी नेता रहे डीलमणी सिंह को और राजनगर विधानसभा से भाजपा के नेता रहे घासीराम पटेल को उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह दोनों ही राजनीतिक दलों के असंतुष्ट और बागी नेता समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी से संपर्क बनाए हुए हैं और उम्मीदवारों की सूचियां जारी होने के बाद वे अपना रास्ता तय करेंगे। राज्य की वर्तमान विधानसभा पर गौर करें तो सपा का एक और बसपा के सिर्फ दो विधायक थे, वहीं चार निर्दलीय चुनाव जीते थे। इस बार छोटे दलों ने ज्यादा जोर लगाने की तैयारी कर रखी है।

राजनीति के जानकारों का मानना है कि राज्य के विधानसभा चुनाव में इस बार पिछले चुनाव की तुलना में दल बदल कहीं ज्यादा देखने को मिलेगा। इस स्थिति में कई राजनेता छोटे दलों के सहारे विधानसभा में पहुंचकर अपनी राजनीतिक हैसियत और ताकत बढ़ाना चाहते हैं। यही कारण है कि दल बदल भी खूब होगा। वहीं छोटे दलों की है कोशिश है कि किसी तरह सत्ता की चाबी उनके हाथ में आ जाए और वह राज्य की सियासत में अपना दखल बढ़ा सकें।

# बस की छत पर सवार होकर घर जा रहे स्कूल के बच्चे

**शाहगढ़, देशबन्धु।** बुधवार को स्कूली बच्चों का अपनी जान जोखिम में डालकर वापस घर जाने का एक वीडियो सामने आया है, यह भयाभह वीडियो आपको सोचने पर मजबूर कर देगा कि आखिर इन बच्चों की तरफ किसी का ध्यान क्यों नहीं जा रहा, न स्कूल, पुलिस प्रशासन, न बच्चों के परिजन किसी को भी नहीं पता नहीं यह बच्चे कब और कैसे इस तरह स्कूल से वापस घर लौट रहे हैं। दरअसल यह वीडियो शाहगढ़ नगर हाइवे स्थित तिराहे के शाहगढ़ थाना क्षेत्र का है, यहां एक प्राइवेट बस में स्कूल के बच्चे अंदर घुसे हुए हैं, जब बच्चों को अंदर जगह नहीं मिली तो वह बस के ऊपर और पीछे लगी सीढ़ी पर चढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। शाहगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत सागर से टीकमगढ़ की ओर जा रही निजी कम्पनी की बस हाइवे रोड तिराहे से गुजर रही थीं तभी यह वीडियो बनाया गया है। इस प्राइवेट बस में स्कूली बच्चे इस कदर भरे हुए हैं कि उन्हें अपनी जान तक की परवाह नहीं है, वीडियो के सामने आने के बाद लोग सोशल मीडिया पर अलग-

अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक बस में कई स्कूली बच्चे सवार हैं और वह अपनी जान जोखिम में डालकर वापस अपने घर लौट रहे हैं, प्राइवेट बस में स्कूली बच्चे इस कदर भरे हुए हैं कि उन्हें अपनी जान तक की परवाह नहीं है, इन स्कूली बच्चों को जब बस के अंदर जगह नहीं मिली, तो यह बच्चे ना सिर्फ बस की छत पर सवार हो गए, बल्कि बस के पीछे से चढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं, स्कूली बच्चों के इस सफर को अगर मौत का सफ कहा जाए तो इसमें भी कोई परहेज नहीं है, बेतरतीब तरीके से स्कूली बच्चों से सवार बस को बस का चालक भी हाइवे रोड पर चलाते हुए जिसका वीडियो सामने खड़े मीडिया के द्वारा बना लिया गया और उसे वायरल कर दिया गया। आपको बता दें कि शाहगढ़ में यातायात के नियमों का पालन कराने का जिम्मा शाहगढ़ की पुलिस पर है, लेकिन इस वीडियो को देखकर आप समझ सकते हैं की नियमों का हकीकत में कितना पालन हो रहा है या फिर यह कहें की सड़क पर चलने वाले इस सड़क सुरक्षा अभियानों की महज कागजों में ही अपनी खानापूर्ति की जा रही है।

# शाहगढ़ में किराए के मकान में चार साल से बिना शिक्षक के चल रहा आईटीआई कालेज

**शाहगढ़, देशबन्धु।** रानी लक्ष्मीबाई वार्ड में एक किराये के भवन में पिछले चार सालों से संचालित आईटीआई कॉलेज में भविष्य बनाने का सपना देख रहे क्षेत्र के युवाओं के खेमें मे मायूसी छाई हुई है। यहां पर आईटीआई कॉलेज औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भले ही चल रही है। लेकिन जब इसकी जमीनी स्तर पर जाकर हकीकत देखी तो बच्चों का भविष्य क्या बनेगा यहां की कमियां देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है। अभी मात्र एक शाम ही विषय स्टेनो शुरु किया गया है लेकिन सबसे बड़ी समस्या यहां पढ़ाने वाली फैकल्टी ही नहीं है, जो है उन्हें चार चार कामों की जिम्मेदारी दे रखी है। शिक्षक नहीं होने से मशीन है तो इसे चलाने वाले नहीं है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के ट्रेड में छात्रों को पढ़ाने के लिए

टीचर की कमी बनी हुई है। ट्रेड में प्रशिक्षण अधिकारी नहीं होने के कारण छात्रों की क्लास प्रभावित हो रही है। ऐसा नहीं है कि उच्च विभाग तक इसकी जानकारी न हो, फिर भी व्यवस्थाएं सुधारने में लापरवाही बरती जा रही है। प्रभारी प्राचार्य अशोक डागर का कहना है कि हमने पत्र व्यवहार कर समस्या बताई है। पढ़ाई नहीं होने के कारण छात्रों के भविष्य पर खतरा बना हुआ है। फिलहाल यू ट्यूब पर संबंधित दर्ज सभी 16 बच्चो को स्टेनों की पढ़ाई कराई जा रही है, मुझे भी चार आईटीआई की जिम्मेदारी है, अभी सागर में हूं, आईटीआई प्रबंधन की मानें तो ट्रेड में रिक्त पड़े प्रशिक्षण अधिकारियों के पदों को भरने के लिए कई बार पत्र लिखा गया है, लेकिन अभी तक कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

## नशामुक्त रहने की शपथ दिलाई गई

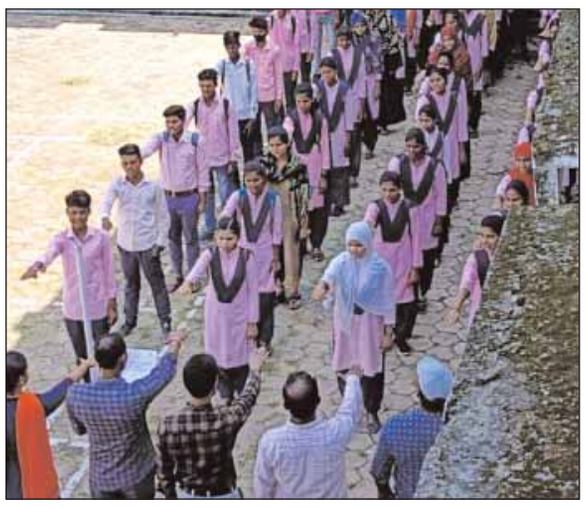

**राहतगढ़, देशबन्धु।** शासकीय महाविद्यालय में मद्य निषेध सप्ताह के तहत विद्यार्थियों ने नशा मुक्त रहने की शपथ ली। प्राचार्य डॉ. चंदनसिंह सागर की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मद्य निषेध को लेकर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम प्रभारी श्रीकांत रिंगे ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशन में मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन कर नशामुक्त भारत इसका उद्देश्य है। इसी क्रम में विद्यार्थियों ने पाती अपनों के नाम के तहत परिवार या समाज के पांच व्यक्तियों के पास पत्र ले जाकर उनकी सहमति से हस्ताक्षर कराना था। निबंध प्रतियोगिता में अनुराधा कुर्मी प्रथम, द्वितीय स्थान अनम बहना रही। चित्रकला प्रतियोगिता में रामेश्वर सेन प्रथम रहे। इस मौके पर डॉ. भरत पटेल, डॉ. प्रदीप यादव, डॉ. ऋतु व्यास, डॉ. अपर्णा दुबे, अंजुलता गोस्वामी, संदीप जैन, शरद भारद्वाज, आशीष रैकवार, डॉ. नेहा सक्सेना, अनीता मालवीय, डॉ. रश्मि जैन सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

## बीना नदी के तट पर पितृरो को तर्पण

**राहतगढ़, देशबन्धु।** पितृपक्ष के चलते बीना नदी बनेनीघाट पर पितृरो को तर्पण किया जा रहा है। पं. रूपकिशोर त्रिवेदी ने बताया कि ने श्राद्ध कर्म पितरों के परलोक की तिथि के अनुसार किया जाता है। पितृदोष से आने वाली परेशानियों को दूर करता है। परिवार पर पूर्वजों का आशीर्वाद परिजनों को मिले इसलिए पितरों का तर्पण विधि-विधान पूर्वक किया जाता है। पुराणों में बताया गया है परलोक गए पूर्वजों को अपने परिवार पर आशीर्वाद बना रहे पितरों के तर्पण से अन्न, जल की शक्ति से ही वह अपने परिवार के सदस्यों का कल्याण कर पाते हैं।

## शिक्षक की विदाई में भावुक हुए स्कूली बच्चे ओर ग्रामीण

**गौरझामर, देशबन्धु।** प्राथमिक सेटेलाइट शाला ग्वारी टोला में प्रधान अध्यापक प्रभारी के पद पर पदस्थ नरेश कुमार मिश्रा का प्राथमिक शाला शिक्षक से माध्यमिक शाला शिक्षक के पद प्रमोशन होने पर प्राथमिक शाला ग्वारी में विदाई समारोह रखा गया उन्होंने 13 वर्ष 1 माह स्कूली बच्चों को सेवाएं दी शिक्षक नरेश कुमार मिश्रा ने अपने विचार रखते हुए बताया स्कूली बच्चों सहित ग्रामवासियों का भरपूर प्यार स्नेह ओर सहयोग हमेशा मिला और कहा कि यहां बिताये वर्ष हमेशा याद रहेंगे और उनके प्रयासों से कई सराहनीय कार्य ओर सामग्री उपलब्ध कराई विदाई समरोह मे बच्चों व ग्रामवासियो द्वारा रोरु लगा कर शाल श्रीफल भेंट किए प्रधान अध्यापक का प्रभार शिक्षक अजय भरिल्य को बीते 7 अक्टूबर 2023 को सौंप दिया गया। स्कूली बच्चों ओर ग्रामीणों ने कभी समय निकल कर आने का आग्रह किया तो उन्होंने आग्रह स्वीकार किया रमाकांत सिंह, सीताराम लोधी, श्याम गौंड, राजकुमार लोधी, सुरेंद्र सिंह, रामक्रेश लोधी सहित शामिल रहे।

# डॉ. हरीसिंह गौर विवि में छात्रा से मारपीट

**सागर, देशबन्धु।** मप्र की एक मात्र सेंट्रल यूनिवर्सिटी में छात्राओं की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा हुआ है। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में बीकॉम प्रथम वर्ष के एक छात्र ने छात्रा के साथ मारपीट कर उसे धमकाया। पुलिस ने लड़के को हिरासत में लिया। छात्र के पास से पिस्टल बरामद हुई है। इस घटना के बाद विवि में हड़कंप मच गया। स्टूडेंट पिछले कई दिनों से छेड़छाड़ कर रहा था। घटना के बाद जब विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारी ने लड़के के बैग की तलाशी ली, तो लड़के के बैग में पिस्टल मिला है। घटना के बाद छात्रा ने सिविल लाइन थाना में शिकायत दर्ज कराई है। बुधवार को डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कॉमर्स डिपार्टमेंट में उस समय अफरा तफरी का माहौल बन गया। जब यूनिवर्सिटी के कामर्स डिपार्टमेंट के बी कॉम फर्स्ट ईयर के क्लासरूम एक छात्र ने छात्रा की पिटाई कर दी और जान से मारने की धमकी दी। जब विश्वविद्यालय के सुरक्षा विभाग की टीम पहुंची, तब जाकर हंगामा थमा। इस दौरान लड़के की तलाशी ली गई, तो उसके बैग से पिस्टल निकली। तब मामले की गंभीरता देखते हुए सिविल लाइन थाना को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस छात्र को थाने में ले जाकर पूछताछ कर रही है। विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही छात्रा ने शिकायत में बताया कि वह सुबह कॉलेज जा रही थी। रास्ते में उसके ही क्लास में पढ़ने वाला मोहित पांडे मिला और मुस्कुराने लगा। जिसके बाद मैं क्लास रूम में चली गई। क्लास रूम में मोहित ने गालीगलौज करते हुए हाथ पकड़ लिया। विरोध किया तो उसने हाथ मरोड़ दिया और चाटे मारे। मारपीट में छात्रा को चोट आई। विवाद होते देख क्लास के अन्य छात्र बीचबचाव करने पहुंचे तो मोहित ने उनसे भी उनसे भी मारपीट की। सूचना पर प्रोफेसर और अन्य प्रबंधन मौके पर पहुंचा और छात्र को पकड़ा। उसे समझाइश देकर शांत कराया। वहीं बैग की तलाशी लेने पर उसके पास से पिस्टल जब्त की गई। मामले में छात्रा ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर शिकायत की है। सिविल लाइन थाना प्रभारी आनंद सिंह का कहना है कि विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारी ने सूचना दी थी। कॉमर्स डिपार्टमेंट के एक स्टूडेंट के बैग में पिस्तौल निकाली है। सूचना पर हमारी टीम यूनिवर्सिटी पहुंची थी और लड़के मोहित पांडे को थाने लेकर आए हैं। उससे पूछताछ कर रहे हैं कि ये पिस्तौल उसे कहां से मिली और क्यों लेकर आया था। वही लड़की से मारपीट के मामले में पुलिस का कहना है कि दोनों एक ही क्लास में पढ़ते हैं। लड़की ने भी शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत पर कार्यवाही की जाएगी। अभी हम लड़के और लड़की से पूछताछ कर रहे हैं।

## शांति समिति की बैठक संपन्न

**देवरीकलां, देशबन्धु।** आगामी त्योहारों का शांतिपूर्ण एवं सद्भाव के साथ आयोजन सुनिश्चित करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। एसडीएम गगन विसेन और थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने शांति समिति की बैठक ली है। बैठक में आपराधिक तत्वों की धरपकड़, सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखे जाने और प्रतिबंधात्मक आदेश लागू करने संबंधित निर्णय लिए गए। सभी को आचार संहिता के नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई। बिना लाइसेंस मोटरसाइकिल, फोर व्हीलर वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आचार संहिता प्रभावशील होने से अखाड़े में चल प्रदर्शन के दौरान अस्त्र-शस्त्र प्रतिबंधित रहेंगे। बैठक में देवरी नगर के प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधि, दुर्गोत्सव समिति के अध्यक्ष, सदस्य, पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

# स्मृति ईरानी से वैचारिक स्वच्छता अभियान पर डॉ. वन्दना गुप्ता ने की चर्चा

**सागर, देशबन्धु।** वैचारिक स्वच्छता अभियान की प्रणेता डॉ. वंदना गुप्ता ब्रांड एम्बेसडर स्वच्छता मिशन सागर कैन्ट ने महिला एवं बाल विकास केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से नयी दिल्ली स्थित उनके निवास तुगलक क्रीसेन्ट पर उप्र कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी की उपस्थिति में मुलाकात करके उन्हें वैचारिक स्वच्छता अभियान की रिपोर्ट प्रदान की। इसके साथ ही केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को लिखा पत्र भी उन्हें दिया जिसका विषय सम्पूर्ण स्त्री जाति को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से जनजागृति एवं कानूनी पहल का आग्रह है। जिसमें सार्वजनिक स्थलों पर जनजागृति बोर्ड लगाकर लोगों को स्वयं में जागृत कर समाज को स्वच्छ बनाने की दिशा में शासन की पहल को लेकर चर्चा हुई। स्मृति ईरानी ने कहा समाज की इस गंदगी को दूर करने के लिए एक मिशन बनाकर 5 वर्षों से सतत कार्य करने के लिए आपको धन्यवाद देती हूं।

स्वच्छता के इस मिशन में निश्चित रूप से हमारी सरकार मां, बहन, बेटी की गलियों से मुक्त समाज के लिए प्रतिबद्ध है हम ऐसे मिशन का स्वागत करते हैं और इस दिशा में भी हमारी सरकार अवश्य चिन्तन कर क्रियान्वयन योजना बनायेगी। हमारी सरकार एक स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज की स्थापना के लिए कटिबद्ध है और निरन्तर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कार्य कर रही है।

## अवैध संचालन, ओव्हरलोड एवं नियम विरूद्ध संचालित वाहनों की सघन चैकिंग की कार्यवाही: आरटीओ

**सागर, देशबन्धु।** क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सुनील कुमार शुक्ला के निर्देशन में सुरेन्द्र सिंह गौतम, सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एवं प्रवर्तन अमले द्वारा निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशानुसार जिन वाहनों में विभिन्न दलों के पदाधिकारियों द्वारा अनाधिकृत रूप से हूटर, सायरन, सर्च लाईट एवं नेम प्लेट का उपयोग किया जा रहा है, उनके विरूद्ध कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गये है। इस संबंध में बुधवार को बम्होरी तिराहा एवं शहरी क्षेत्र में लगभग 67 वाहनों को चैक किया गया। जिनमें से 23 वाहनों में विभिन्न दलों के पदाधिकारियों द्वारा अनाधिकृत रूप से हूटर, सायरन, सर्च लाईट, ओव्हरलोड एवं नेम प्लेट का उपयोग करते पाये गये, जिन्हें मौके पर निकलवाये गये। साथ ही उक्त 23 वाहनों के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत् चालानी कार्यवाही कर13500 रुपए का जुर्माना वसूल कर छोड़ा गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने समस्त वाहनस्वामियों को हिदायत दी है कि वे अपने वाहनों के संचालन के दौरान वाहन से संबंधित समस्त दस्तावेजों यथा बीम, फिटनेस, परमिट, पंजीयन कार्ड, वाहन चालक का हैबी ड्रायविंग लायसेंस, टैक्स प्रमाण पत्र, प्रदूषण प्रमाण पत्र आदि अनिवार्य रूप से साथ में रखे। यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

## डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा गांधी एवं डॉ. अंबेडकर के विचारो पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

# हमारे महापुरूषों ने हमे नैतिक मूल्यो की शिक्षा दी: प्रो. बी के श्रीवास्तव

**सागर, देशबन्धु।** डॉ. हरीसिंह गौर, गाधी जी एवं डॉ. अंबेडकर के द्वारा शिक्षा के महत्व एवं उसके विकास के लिए कार्य किया। उक्त विचार डॉ. अंबेडकर चेयर एवं इतिहास विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के द्वारा संगोष्ठी कक्ष इतिहास विभाग में गाधी एवं डॉ. अंबेडकर के विचारों की वर्तमान प्रांसगिकता विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुये, इतिहास विभाग के विभाध्यक्ष प्रो. बीके श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे महापुरूषों ने हमे नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी। महात्मा गांधी को जब भी समस्या आती थी, वो गीता के माध्यम से उसका समाधान करते थे। हमारे विद्यार्थियों को हमारे महापुरूषों द्वारा दी गई नैतिक मूल्यों की षिक्षा को अपनाना होगा। जिससे की वो समाजिक जीवन में आगे बढ़ सके। संगोष्ठी को डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा, डॉ. पंकज सिंह, सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रीति आदि ने

संबोधित किया। संगोष्ठी में आषु अहिरवार, अखिलेश सेन, अदिति सिंह, दीपा अहिरवार, निधी सोनी, भूपेन्द्र अहिरवार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन आशु अहिरवार एवं स्वागत दीपा अहिरवार ने किया।

## मुलायम सिंह यादव को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

**सागर, देशबन्धु।** उप्र के भूतपूर्व मुख्यमंत्री, देश के अभूतपूर्व रक्षामंत्री और समाजवाद के महान पुरोधा मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर में समाजवादी छात्रसभा के तत्वावधान में पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पेन्द्र अहिरवार की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव के व्यक्तित्व और जीवन को याद कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाजवादी छात्रसभा पूर्व जिला पुष्पेन्द्र अहिरवार ने श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय और सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए जीवनपर्यंत नेता जी द्वारा किए गए प्रयास वंचित समाज के लोगों को ताकत और प्रेरणा देते रहेंगे। सभी ने नेता जी के विचारों व उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में घनश्याम पटैल, रोशन कुमार यादव, अरविन्द यादव, आशीष अहिरवार, विशाल सूर्यवंशी, सुतीक्ष्ण यादव, मेनिका साकेत, दीनदयाल चौधरी, आदित्य वर्मा, जनविजय गौंड इत्यादि शामिल रहे।

## किराना दुकानों का किया गया औचक निरीक्षण

**दमोह, देशबन्धु।** डीओ खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी, दमोह माधवी बुधौलिया ने पटेरा ब्लॉक के ग्राम फतेहपुर में विभिन्न किराना दुकानों का औचक निरीक्षण किया है। कटनी दमोह रोड स्थित नितिन साहू किराना एवं अभिषेक साहू किराना का फोस्कोरिस एप्प के माध्यम से ऑनलाइन निरीक्षण करके दो फूल ब्रांड खाद्य तेल एवं सोबिस्कों ब्रांड बिस्किट के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। इन नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। कार्यवाही के दौरान अधिकतर किराना व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दी।

## हरिनाम संकीर्तन का आयोजन

**राहतगढ़, देशबन्धु।** इंदिरा एकादशी के मौके पर वार्ड क्रमांक 6 में वीरेंद्र सिंह ठाकुर के निवास पर हरिनाम संकीर्तन भजन संध्या आयोजित की गई। इस दौरान श्रद्धालु राधाकृष्ण के भजनों पर जमकर थिरके। तत्पश्चात प्रसाद वितरित किया। इस मौके पर अनंत अग्रवाल, डॉ. एचडी विश्वास, सतीश अग्रवाल, पप्पू अग्रवाल, अनुज ताम्रकार, प्रदीप वर्मा, अमित अवस्थी, छोटू चौबे, राजकुमार सिंह, संतोष ठाकुर, परसोत्तम राठौर, किशोरीलाल अग्रवाल, गोपाल सेन, राजन, अमन, नमन ठाकुर सहित अनेक लोग मौजूद थे।

शिवराज के खिलाफ हुए ट्वीट पर कमलनाथ ने कहा

# 'कांग्रेस का हाथ नहीं, आप दीर्घायु हों'

**भोपाल, देशबन्धु।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को लेकर 'मामा का श्राद्ध' वाली कथित पोस्ट पर मचे बबाल के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि इसमें कांग्रेस का हाथ नहीं है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने ट्वीट किया कि 'प्रिय शिवराज जी, ईश्वर आपको दीर्घायु दे।' मेरी समझ में यह नहीं आता कि आपको हर चीज के पीछे कांग्रेस पार्टी ही क्यों नजर आती है? कांग्रेस पार्टी की ओर से वैसा कोई भी ट्वीट नहीं किया गया है, जैसा कि आप जिक्र कर रहे हैं। अगर आपको वाकई लगता है कि आपके खिलाफ किसी ने ट्वीट किया है तो आप उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कीजिए। उन्होंने अरोप भरे लहजे में लिखा कि सहानुभूति हासिल करने के लिए झूठा दुष्प्रचार करना नैतिकता नहीं है। श्राद्ध पक्ष में आपको टिकट आपकी पार्टी ने दिया है, कांग्रेस पार्टी ने नहीं दिया है। आप बखूबी जानते हैं कि आपके व्यक्तिगत दुश्मन आपकी पार्टी में बैठे हैं और आपका अहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे।

उल्लेखनीय है कि श्राद्ध पक्ष में भाजपा प्रत्याशियों की चौथी सूची जारी की गई, जिसमें मुख्यमंत्री शिवराज को भी उनकी परम्परागत सीट बुधनी विधानसभा से टिकट दिया गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुई। जिसमें लिखा था कि 'मामा का श्राद्ध' और नीचे लिखा 'श्राद्ध में बीजेपी ने दिया मामा शिवराज को टिकट'। ये पोस्ट वायरल होने के बाद भाजपा ने इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज की, वहीं शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान ने ट्विटर पर एक भावुक पोस्ट लिखते हुए कहा 'आप पर दया करूं या गुस्सा? आखिर मेरे जीवित पिता के श्राद्ध की बात आप कर रहे हैं। मुझे तरस आ रहा है।'

### शिवराज के साथ करोड़ों माताओं-बहनों का आशीर्वाद

इधर ज्योतिरादित्य सिंधिया भी स्वयं को इस मुद्दे से अछूता नहीं रख पाए उन्होंने ट्वीट कर कहा कि इस मुद्दे पर कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि श्राद्ध मनाना है तो अपने सिद्धांतों को मनाइए, क्योंकि मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ करोड़ों माताओं और बहनों का आशीर्वाद है। उन्होंने लिखा कि 'राज्य चुनाव में अपनी आती हुई हार देखकर कांग्रेस पार्टी बौखलाने लगी है।

गृहमंत्री ने जातिगत जनगणना को लेकर कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले

# कांग्रेस 'लास्ट' में 'फास्ट' होने के चक्कर में कर रही 'कास्ट' की बात

**भोपाल, देशबन्धु।** भाजपा नेता एवं गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने जातिगत जनगणना को लेकर कांगेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस ''लास्ट'' में ''फास्ट'' होने के चक्कर में ''कास्ट'' की बात कर रही है, लेकिन उनकी मानसिकता इस चुनाव में ब्लास्ट होगी। उन्होंने आज मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि राहुल गांधी इन दिनों जहां भी जा रहे हैं, जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं। आश्चर्य की बात है कि राहुल गांधी को खुद अपनी जाति का पता नहीं है। कमलनाथ अपनी जाति नहीं बता पाते, लेकिन कांग्रेस के ऐसे ही नेता पिछड़ों की बात कर रहे हैं। डा. मिश्र ने कहा असल वजह यह है कि कांग्रेस के पास जनता को बताने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा दो तिहाई से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाने जा रही है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सिर्फ हिंदुओं में ही जातिगत जनगणना की बात कर रही है। किसी और धर्म के बारे में यह बात नहीं करती। इसी से साफ हो जाता है कि कांग्रेस के लोग सिर्फ हिंदुओं में जातिगत विभाजन पैदा करना चाहते हैं।

### दो तिहाई से अधिक सीटें जीतकर बनाएंगे सरकार

डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के लोग भाजपा की सूचियों पर सवाल उठाते हैं, लेकिन ये वो लोग हैं, जिन्होंने खुद कुछ नहीं किया। अभी तक कोई सूची जारी नहीं की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि जिस दिन भी उम्मीदवारों की सूची जारी होगी, कांग्रेस पार्टी में बगावत होगी। डॉ. मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से पहले कमलनाथ जी को यह देखना चाहिए कि जितने महीने वो मुख्यमंत्री नहीं रहे, उससे ज्यादा सालों से श्री चौहान मुख्यमंत्री हैं।

### राहुल जब पिछड़ों की बात कर रहे थे तब सिंह एसोसिएट मंच पर कतार लगाए बैठी थीं

गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस या उसके नेता वास्तव में पिछड़ों के शुभचिंतक नहीं हैं। कल राहुल गांधी जिस सभा में पिछड़ों की बातें कर रहे थे, उनके मंच पर किन का कब्जा था? दिग्विजय सिंह, गोविंद सिंह, अजय सिंह, राजेन्द्र सिंह और पूरी सिंह एसोसिएट मंच पर कतार लगाकर बैठी हुई थी।

### कांग्रेस के पास बताने के लिए कुछ नहीं

डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोल-बोल कर पूरे देश में बेनकाब हो चुकी है। पिछले चुनाव के जो मुद्दे थे, उनकी बात कर नहीं सकते। कर्जमाफी की बात कर नहीं सकते, बेरोजगारी भत्ता दिया नहीं। बेटियों की शादी पर 51 हजार रुपये देने की बात की थी, लेकिन वो भी नहीं दिया। पेट्रोल-डीजल के दाम कम करने की बात कही थी, लेकिन और बढ़ा दिए। इसलिए इस बार के चुनाव में ये इनमें से किसी भी मुद्दे पर बात नहीं कर सकते। ऐसे में इस बार ये सिर्फ जातिगत विभाजन की बात कर रहे हैं।

कांग्रेस ने लगाए आरोप

# आदिवासियों के हक को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने की हो रही कोशिश

**भोपाल, देशबन्धु।** कांग्रेस ने आज भ्रष्टाचार का एक और मामला उठाया। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने राज्य सरकार की चरण पादुका योजना घोटाले का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत जूते-चप्पल पानी बोतल, छाता और साड़ी सभी वस्तुओं की खरीद में करोड़ों रुपयों का घोटाले की बू आ रही है। श्री शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार के वन विभाग ने आदिवासियों के हक को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने की कोशिश की।

प्रदेश के वन मंत्री विजय शाह व राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध निदेशक की फाईलों की टिप्पणियों से यह उजागर होता है कि एक कंपनी का छाता जो बाजार में 140 रुपये में बेचा जा रहा है, उसके लिए 246 रुपये खरीद भाव तय किया था, लेकिन विरोध शुरू होने के बाद भी उसकी कीमत घटाकर 2 सौ रुपये प्रति छाते की दर से तय की गई। यह अलग बात है कि मामला प्रकाश में आते ही सरकार ने छाते की बजाए इसके लिए 200 रुपए के मान से राशि हितग्राहियों के खाते में डाल दी। उन्होंने कहा कि बावजूद इसके वन मंत्री और सरकार में बैठे लोग अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। इस दौरान श्री शर्मा ने पूर्व में भाजपा सरकार में हुए अन्य भ्रष्टाचारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर आदिवासी विरोधी होने का आरोप लगाते हुए आदिवासियों के साथ हुई घटनाओं का उल्लेख भी किया। ज्ञात हो कि एक प्रमुख दैनिक समाचार पत्र में यह मामला प्रकाशित हुआ है, जिसके बाद कांग्रेस ने भी इस मामले को लेकर प्रदेश सरकार को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की। हालांकि वन मंत्री इस मामले में किसी भी अनियमितता से इंकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि मैंने कोई नोटशीट नहीं लिखी।

# दस्तावेजीकरण विभाग के जिला संयोजकों की घोषणा

**भोपाल, देशबन्धु।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा की सहमति से दस्तावेजीकरण विभाग के प्रदेश संयोजक मनोज सिंह यादव ने जिला संयोजकों की घोषणा की है।

दस्तावेजीकरण विभाग के जिला संयोजकों में नीरज शुक्ला मुरैना, गुरूदेव नरवरिया भिण्ड, ठाकुर दास खेमरिया दतिया, गजेन्द्र पवैया ग्वालियर ग्रामीण, सुरेन्द्र जैन श्योपुर, अरूण गोस्वामी शिवपुरी, सीपी राव गुना, तुषार खेर अशोकनगर, संतोष दुबे सागर, पूरनचन्द गुप्ता टीकमगढ, पंकज शर्मा निवाडी, सुरेश तिवारी छतरपुर, नरेन्द्र राठौड दमोह, प्रदीप मजूमदार पन्ना, उपेन्द्र चन्द्र दुबे रीवा, सुनील सेनानी सतना, कृष्णकांत मिश्रा सीधी, राजकुमार विश्वकर्मा सिंगरौली, सुभाष सोनी शहडोल, प्रकाश पालीवाल उमरिया, नंदकुमार यादव जबलपुर नगर, अश्विनी पटेल जबलपुर ग्रामीण, संतोष जायसवाल कटनी, नितिन गुप्ता डिंडौरी, नीलेश अवस्थी मंडला, हीरा सिंह भाटिया बालाघाट, अरूण उपाध्याय सिवनी, मुन्नालाल सराठे नरसिंहपुर, बलवीर ठाकुर छिंदवाडा, नितिन तायडे नर्मदापुरम, अरविन्द विश्नोई हरदा, विकास प्रधान बैतूल, सुनील तिवारी भोपाल नगर, जितेन्द्र जैन रायसेन, अरविन्द मिश्रा विदिशा, आशीष शर्मा सीहोर, दीपकमल जैन राजगढ़, पीयूष शर्मा खण्डवा, सुशील चौहान बुरहानपुर, बद्रीप्रसाद शर्मा बडवानी, रीतेश डाबर अलीराजपुर, जितेन्द्र जैन झाबुआ, अंकित ओसवाल धार, ऋषिवंत तोमर उज्जैन नगर, राजेश पाटीदार उज्जैन ग्रामीण, सागर हेमराज राय शाजापुर, जसवंत सिंह तोमर आगर, ईश्वर सिंह परासिया देवास, प्रशांत कुशवाहा रतलाम, मिथुन वापता मंदसौर एवं अशोक जैन नीमच शामिल हैं।

सहकारिता प्रकोष्ठ के संयोजक व सह संयोजकों की बैठक

# गांव-गांव दी जाएगी योजनाओं की जानकारी

**भोपाल, देशबन्धु।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार ने सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम और जनहितैषी निर्णय लिए है, जो हमें मतदाता तक पहुंचाना है। चुनावी बेला में सहकारिता प्रकोष्ठ के हर किसान तक पहुंचे और उन्हें भाजपा सरकार में किए गए काम को बताएं। यह बात उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित सहकारिता प्रकोष्ठ की बैठक में कही। बैठक में विधानसभा चुनाव में सहकारिता प्रकोष्ठ की भूमिका को लेकर पदाधिकारियों से चर्चा की।

बैठक में श्री राठौर ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने सहकारिता को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाने के कृत्य किए। यह बात हमें जनता तक ले जाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि सहकारिता प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर भाजपा की प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता को बताने का कार्य करेंगे।

प्रकोष्ठ के संयोजक मदनलाल राठौर ने बताया कि चुनाव की दृष्टि से प्रकोष्ठ विशेष अभियान के माध्यम से केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकार के जनकल्याणकारी कार्यो को लेकर मतदाता तक पहुंचेगा। साथ ही जिला स्तर प्रकोष्ठ की बैठकें आयोजित होगी। बैठक में किशन सिंह भटोल, सत्येन्द्र भूषण, मदनलाल राठौर, अशोक सिंघई, राजेन्द्र गुरू, शिवनारायण पाटीदार, कैलाश पाटीदार, भरत सिंह राजपूज, उमाकांत दीक्षित, मस्तान सिंह राजपूत, अजय सिंह बघेल, जीवन मैथिल, विजय तिवारी, अनंत मिश्रा, विनोद गुर्जर, संजय श्रीवास, अजय बघेल सहित अनेक वरिष्ठ सहकारी नेताओं की उपस्थिति रही। बैठक का संचालन प्रदेश सह संयोजक उमाकांत दीक्षित एवं आभार प्रदेश सह संयोजक भारत सिंह राजपूत ने माना।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

# भाजपा से मुक्ति मिलेगी तो देश बहुत आगे बढ़ेगा : नीतीश

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के शीर्ष नेता नीतीश कुमार ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि इनसे मुक्ति मिलेगी तो देश बहुत आगे बढ़ेगा। कुमार ने बुधवार को यहां लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददताओं से बातचीत में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के सभी क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व समाप्त हो जाने संबंधित बयान पर कहा, हम शुरू से कह रहे हैं कि भाजपा वालों ने मीडिया पर कब्जा कर रखा है। वे लोग सरकार के पैसे का सही इस्तेमाल भी नहीं कर रहे हैं। वे लोग केवल अपना प्रचार-प्रसार करते हैं। हम उन लोगों का कोई बयान न देखते हैं और न ही पढ़ते हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि उनलोगों के चाहने से कुछ नहीं होगा। आगामी चुनाव के लिए वह सब विपक्षी पार्टियों को एकजुट कर रहे हैं और जनता निर्णय लेगी। इनसे मुक्ति मिलेगी तो देश बहुत आगे बढ़ेगा।हम उन लोगों के ऊपर कुछ नहीं कहना चाहते हैं। हम बचपन से अखबार पढ़ते थे और न्यूज चैनल भी देखते थे लेकिन आज पूरे मीडिया पर उन लोगों का कब्जा हो गया है इसलिए कुछ नहीं देखते हैं, जब उन लोगों से मुक्ति मिल जाएगी तो फिर पहले की तरह सब कुछ देखेंगे।

कुमार ने जाति आधारित गणना से संबंधित प्रश्नन के उत्तर में कहा कि सभी पार्टियों की सहमति के बाद ही जाति आधारित गणना कराई गई है। अब इसकी रिपोर्ट को सदन में रखा जाएगा। सभी परिवारों की आर्थिक स्थिति का ब्यौरा भी सदन में रखा जाएगा चाहे वे किसी भी जाति, धर्म के हों। सभी विधायकों एवं विधान पार्षदों को भी इसकी जानकारी दी जाएगी। एक-एक चीज को लोग जानेंगे। उसके बाद सभी से विमर्श कर आगे इस पर काम किया जाएगा।

# भाजपा विधायक मुनिरत्न ने की भूख हड़ताल खत्म

### उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के पैर छुए

**बेंगलुरु, एजेंसी।** भाजपा विधायक मुनिरत्न नायडू ने बुधवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार और उनके भाई कांग्रेस सांसद डी.के.सुरेश के खिलाफ नफरत की राजनीति करने और अपने निर्वाचन क्षेत्र को आबंटित धन वापस लेने के खिलाफ शुरू की गई भूख हड़ताल खत्म कर दी। धरना खत्म करने के बाद मुनिरत्न एक कार्यक्रम में गए, जहां उपमुख्यमंत्री मौजूद थे। उन्होंने उनके पैर छुए।

मुनिरत्न ने शिवकुमार को अपने निर्वाचन क्षेत्र राजा राजेश्वरी के लिए धन और विकास कार्यों की एक सूची की मांग करते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा। बाद में मुनिरत्न ने शिवकुमार से उनके आवास पर मुलाकात भी की और कई मुद्दों पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने उन्हें भूख आंदोलन खत्म करने और शिवकुमार से मिलने की सलाह दी थी। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि विधायक मुनिरत्न ने अगर उनसे मिलने का समय मांगा होता तो वह उन्हें पहले ही समय दे देते। मीडियाकर्मियों ने जब उनसे पूछा कि मुनिरत्न ने आपके पैर छुए तो आपको कैसा लगा, तो शिवकुमार ने चौंकते हुए कहा कि क्या उन्होंने सचमुच मेरे पैर छुए। मैं कोई धार्मिक संत तो नहीं हूं। शिवकुमार ने कहा कि मैंने उनसे उन कार्यों की एक सूची देने को कहा है, जिन्हें करने की जरूरत है और आश्वासन दिया है कि काम के लिए धन जारी किया जाएगा। मुनिरत्न अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए धन जारी करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे थे। वह बेंगलुरु के विधान सौध में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने बैठे थे।

# मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति कमेटी का गठन

**भोपाल, देशबन्धु।** विभागों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग को भेजे जाने वाले प्रस्तावों के परीक्षण और अनुशंसा के लिये राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया है। विभागों द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग को प्रस्ताव भेजे जाते हैं। समिति में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन तथा संबंधित विभाग जिनका प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया उनके अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव सदस्य होंगे। अब कोई भी विभाग आचार संहिता के दौरान अपना प्रस्ताव स्क्रीनिंग कमेटी के परीक्षण/अनुशंसा के पूर्व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से अथवा सीधे भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित नहीं करेगा। स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत करने के पूर्व प्रशासकीय विभाग भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों/स्पष्टीकरण का पर्याप्त अध्ययन व उसके अनुसार परीक्षण करते हुए उनका हवाला देते हुए उसे संदर्भित करेगा। प्रशासकीय विभाग को अपने प्रस्ताव में यह औचित्य भी दर्शाना होगा कि प्रस्ताव क्यों अत्यन्त महत्वपूर्ण है और निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक इसे क्यों नहीं रोका जा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित किया जाने वाला प्रस्ताव स्वयं स्पष्ट टीप के रूप में भेजा जाएगा न कि नस्ती के रूप में। राज्य शासन ने विभागों को निर्देशित किया है कि प्रस्ताव भेजने के पूर्व भारत निर्वाचन आयोग के निर्णय में लगने वाले संभावित समय का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रशासकीय विभाग परिभ्रमण में समिति का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् प्रस्ताव सामान्य प्रशासन विभाग को उपलब्ध कराऐगा। जो प्रस्ताव उक्त मापदंडों की पूर्ति करते हुए नहीं होंगे उन्हें लौटा दिया जाएगा।

# पठानकोट हमले का मुख्य साजिशकर्ता ढेर

### शाहिद लतीफ की पाक में गोली मारकर हत्या

**नई दिल्ली, एजेंसियां।** भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में से एक और 2016 के पठानकोट हमले के मुख्य साजिशकर्ता शाहिद लतीफ की बुधवार को पाकिस्तान के सियालकोट शहर में एक मस्जिद के पास अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। सूत्रों के मुताबिक, 41 वर्षीय आतंकवादी को शुक्रवार की नमाज के बाद नूर मदीना मस्जिद के पास मार दिया गया। हत्या के तुरंत बाद हमलावर मौके से भाग गए। पाकिस्तान पुलिस अभी तक बंदूकधारियों की पहचान नहीं कर पाई है। भारतीय एजेंसियों के अनुसार, लतीफ पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा था। उसने 2016 में पठानकोट एयरबेस पर हमले को अंजाम देने के लिए चार आतंकवादियों को निर्देशित किया था। लतीफ को 2010 में 24 अन्य आतंकवादियों के साथ भारत सरकार ने रिहा कर दिया था। 1999 में इंडियन एयरलाइंस विमान (आईसी 814) के अपहरण के मामले में जैश-ए-मोहम्मद के संस्थापक मौलाना मसूद अज़हर के साथ रिहाई की मांग करने वाले जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों की सूची में लतीफ़ का नाम भी था।

पिछले साल अदालत में दायर एनआईए के आरोप पत्र के अनुसार, लतीफ ने नए घुसपैठ करने वाले जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादियों को परिवहन और रसद सहायता प्रदान की थी, जो जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा बलों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर आत्मघाती हमले को अंजाम देने के लिए भारत में घुसे थे। नवंबर 1994 में लतीफ को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवाद के आरोप में भारत में गिरफ्तार किया गया था। लतीफ पर मुकदमा चला और बाद में 16 साल की अवधि के लिए कोट बलवाल, जम्मू जेल में कैद रखा गया, जहां उसने मसूद अज़हर के साथ कारावास साझा किया। भारत में अपनी सजा पूरी करने के बाद उसे 2010 में वाघा सीमा के माध्यम से पाकिस्तान वापस भेज दिया गया था।

सीएजी अधिकारियों के तबादले पर बोली कांग्रेस

# जो सच बोलेगा उसे सजा मिलेगी

**नई दिल्ली, देशबन्धु।** कांग्रेस ने मोदी सरकार पर कड़ा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि वह माफिया की तरह काम कर रही है और जो सच बोलता है उसे सजा दी जाती है। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल पर ट्वीट कर आज कहा कि इस सरकार में हालात यह हो गये हैं कि जो सच बोलेगा, उसे सजा मिलेगी। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले दिनों नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के भ्रष्टाचार और बड़े घोटालों को उजागर किया था इस संस्थान के जिन अधिकारियों ने इस मामले की जांच की उनका अब स्थानांतरण कर दिया गया है और उन्हें इसकी सजा दी जा रही है।

### कई योजना में घोटाले का खुलासा किया था

पार्टी ने कहा, कैग ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि मोदी सरकार ने द्वारका एक्सप्रेसवे परियोजना, भारतमाला प्रोजेक्ट और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं में भारी घोटाला किया है। हमारी मांग है कि अधिकारियों के ट्रांसफर आदेशों को तुरंत रद्द किया जाए, उन्हें सच बोलने की सजा न दी जाए। साथ ही जिन योजनाओं में घोटाले उजागर हुए हैं, उनसे जुड़े लोगों पर कार्रवाई की जाए। इस बीच पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, कैग के तीन अधिकारी हैं, जिन्होंने संसद के मानसून सत्र के दौरान पेश की गई एक रिपोर्ट में सरकारी योजनाओं में बड़े पैमाने पर घोटालों का खुलासा किया था।

### छत्तीसगढ़ में फिर बनेगी कांग्रेस सरकार : सैलजा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पार्टी छत्तीसगढ में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए तैयार है तथा वहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने जिस तरह लोगों से किए वादे पूरे किए हैं उससे लोग खुश हैं और वहां कांग्रेस प्रचंड बहुमत के साथ फिर सरकार बना रही है। कांग्रेस की छत्तीसगढ की प्रभारी महासचिव कुमारी सैलजा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से तैयार है और पार्टी लोगों के बीच 'भरोसा बरकरार, फिर से कांग्रेस सरकार' नारा लेकर जा रही है।

लोकसभा चुनाव से पहले किसानों को साधने की तैयारी

# किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा सकती है

- 8000 रुपए सालाना कर सकती है सम्मान निधि
- इस आशय का प्रस्ताव केंद्र के पास विचाराधीन

● विंध्यवासिनी त्रिपाठी

**नई दिल्ली, देशबन्धु।** केंद्र सरकार 2024 के लोकसभा चुनाव में जाने से पहले प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की रकम को बढाने की तैयारी कर रही है। मौजूदा समय में केंद्र सरकार की ओर से छोटे किसानों को 2000 रुपए के तौर पर तीन किश्तों में सालाना 6000 रुपए की राशि किसान सम्मान निधि के रूप में दी जा रही है। लेकिन अब यह रकम में 2000 रुपए की बढ़ोतरी कर 8000 रुपए सालाना करने की तैयारी है। इस आशय का प्रस्ताव केंद्र के पास विचाराधीन है। सूत्रों ने बताया कि सरकार इस दिशा में गंभीरता से विचार कर रही है।

पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही इसकी घोषणा की जा सकती है। अगर इसे लागू किया तो केंद्र सरकार पर 20,000 करोड रुपए का अतिरिक्त बोझ आएगा। माना जा रहा है कि अगर केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव को हरी झंडी दिखाई तो इसके सियासी असर को खारिज नहीं जा सकता है। इसके अलावा गरीब कल्याण अन्न योजना को भी अगले 6 माह तक के लिए बढाया जाना तकरीबन तय माना जा रहा है। जिसकी मियाद इस साल 31 दिसम्बर को खत्म हो जाएगी।

## *मोदी मंत्रिमंडल ने 'मेरा युवा भारत' को दी मंजूरी*

***नई दिल्ली।*** *केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को स्वायत्त संस्थान 'मेरा युवा भारत' की स्थापना को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि मेरा युवा भारत युवाओं के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म होगा। इससे युवाओं में कौशल विकास के साथ ही नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहाकि मेरा भारत-मेरा युवा भारत नाम से एक संस्था बनाने का निर्णय लिया गया है। मेरा युवा भारत का प्राथमिक उद्देश्य इसे युवाओं के विकास के लिए एक संपूर्ण सरकारी मंच बनाना है। यह पूरी तरह तकनीक पर आधारित रहेगा। इस नई व्यवस्था के तहत युवा सामुदायिक परिवर्तन के प्रतिनिधि और सह निर्माता बनेंगे। इससे उन्हें सरकार और नागरिकों के बीच युवा सेतु के रूप में कार्य करने की अनुमति मिलेगी।*

सागर, गुरुवार 12 अक्टूबर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

# अब अरुंधति रॉय के खिलाफ मामला

13 साल पुराने एक मामले को लेकर दिल्ली पुलिस प्रसिद्ध लेखिका अरुंधति रॉय के खिलाफ मुकदमा चलाने जा रही है। दिल्ली के उपराज्यपाल विवेक सक्सेना ने इसके लिये अनुमति देकर यह साफ कर दिया है कि ऐसे सारे तमाम बुद्धिजीवी, लेखक व पत्रकार सरकार से बच नहीं सकते अगर वे उसके आलोचक हैं। उनसे गर सवाल करते हैं। भारत की जेलों में अनेक ऐसे लोग पहले से ही या तो बन्द हैं या किसी न किसी जांच एजेंसी की पूछताछ का सामना कर रहे हैं। अब प्रतिष्ठित लेखिका का नंबर आया हुआ दिखता है। उपराज्यपाल कार्यालय ने मंगलवार को सूचित किया है कि 2010 के एक भड़काऊ भाषणों से संबंधित एक मामले में लेखक-एक्टिविस्ट अरुंधति रॉय तथा एक पूर्व कश्मीरी प्रो. शेख शौकत हुसैन के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी गई है।

रॉय तथा पूर्व प्रोफेसर के खिलाफ उक्त एफआईआर दिल्ली की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत के आदेश के बाद दर्ज हुई थी। यहां के तिलक मार्ग थाने में यह शिकायत कश्मीर के एक सामाजिक कार्यकर्ता सुशील पंडित ने 28 अक्टूबर, 2010 को दर्ज कराई थी। उनके अनुसार उसी साल 21 अक्टूबर को 'कमेटी फॉर रिलीज ऑफ पॉलिटिकल प्रिज़नर्स' के तत्वावधान में 'आज़ादी' नामक सम्मेलन में कुछ वक्ताओं ने भड़काऊ भाषण दिए थे। सम्मेलन में और भी ऐसे मुद्दों पर चर्चा की गई थी जिनका लक्ष्य कश्मीर को भारत से अलग करना था। यह भी आरोप था कि इन कथित भड़काऊ भाषणों से सार्वजनिक शांति और सुरक्षा खतरे में पड़ गई थी। उल्लेखनीय है कि मामले में दो और आरोपी कश्मीरी अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी और दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक सैयद अब्दुल रहमान गिलानी भी थे जिनकी मामले की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है। उपराज्यपाल कार्यालय के मुताबिक रॉय और हुसैन के खिलाफ प्रथम दृष्टया आईपीसी की धाराओं 153ए, 153बी और 505 के तहत अपराध का मामला बनता है।

अनेक प्रसिद्ध पुस्तकों की लेखिका एवं बुकर पुरस्कार से सम्मानित अरुंधति रॉय व अन्य वक्ताओं के भाषणों के मेरिट पर तो कोर्ट गौर फरमायेगा लेकिन अगर यह मान भी लिया जाये कि उन्होंने ऐसा कहा है, तो भी सच यह है कि यह मामला एक तरह से लोग भूल चुके थे। सम्भवत: आरोपी वक्तागण भी भूल गये रहे होंगे। फिर, इन भाषणों के कारण अगर देश की शांति व सुरक्षा को किसी भी तरह से खतरा होना होता तो वह अब तक हो चुका होता और देश उसका खामियाजा भी भुगत चुका होता। इस बयान से न तो देश में कहीं शांति-व्यवस्था का मसला उठा और न ही इन बयानों से कश्मीर को भारत से अलग होने की कोई प्रेरणा मिली। उल्टे, अब तो भारत सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को समाप्त किए हुए चार साल से भी अधिक का समय हो चुका है। सरकार का दावा है कि वहां अब पूरी तरह से शांति है तो फिर शांति व सुरक्षा का मामला उठता ही कहां है? दूसरे, अगर ये बयान इतने ही खतरनाक एवं देश की एकता व अखंडता के लिये खतरा थे, तो उसका परीक्षण करने में सवा दशक से भी ज्यादा समय क्यों लगा? इसका सीधा सा अर्थ यह है कि मामला इतना गम्भीर है नहीं, उसे वैसा गम्भीर बतलाने व बनाने की यह कोशिश है। क्या सरकार को यह जानने में इतना समय लगा कि बयान खतरनाक है या नहीं? जो आरोप लगाये गये हैं वे इतने गम्भीर हैं कि इतने दिनों में तो उसका फैसला हो जाना चाहिये था। अगर सजा सुना भी दी जाती तो अब तक आरोपी सजा काटकर जेल की सींखचों से बाहर भी आ चुके होते।

जाहिर है कि देश में पिछले कुछ समय से प्रतिरोध के स्वर को दबाने के जो प्रयास हो रहे हैं, उसी की एक श्रृंखला के रूप में इसे देखा जाना चाहिये। जिस प्रकार से जनसामान्य की बात कहने या सरकार का विरोध करने के कारण वरवरा राव, सुधा भारद्वाज, गौतम नवलखा, वर्नन गोंजाल्विस, अरूण फरेरा, प्रो. जीएन साईंबाबा, सोनी सोरी, तीस्ता सीतलवाड आदि को जेलों में डाला जाता है, वैसे ही अब अरुंधति रॉय को डालने की तैयारी दिखती है। पत्रकार सिद्दीक कप्पन से लेकर हाल ही में 'न्यूज़क्लिक' के संस्थापक सम्पादक प्रवीर पुरकायस्थ की हुई गिरफ्तारी व उन्हें लम्बी हिरासत में भेजना उसी कहानी का प्रकारांतर से दोहराव है। जिनकी किस्मत अच्छी होती है उन्हें जमानत मिल जाती है, शेष या तो स्टेन स्वामी की तरह जेलों में एक स्ट्रा के लिये तरसते हुए मारे जाते हैं या फिर गौरी लंकेश की भांति अतिवादियों के हाथों मारे जाते हैं।

ये ही वे कारण हैं जिनके चलते आज भारत विभिन्न देशों में मानवाधिकारों के मामलों में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां हो रहे मानवाधिकारों के हनन की गूंज पूरी दुनिया में जा रही है। भारत में जिस उदार विमर्श की परम्परा रही है, उसका पूरी तरह से लोप होता हुआ दिख रहा है। अरुंधति रॉय को पूरी दुनिया में बड़े सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स' के लिये पुरस्कार स्वरूप मिली राशि जनांदोलनों को दान करने वाली सुश्री रॉय अपने लेखों से व्यवस्था की खामियों को लगातार उजागर करती हैं जो सत्ता की नाराजगी का कारण बनता है। गम्भीर साहित्य के साथ सामयिक विषयों पर उनके लेखों को भारत ही नहीं, विश्व भर में उत्सुकता से पढ़ा जाता है। कश्मीर का मसला लम्बे समय से चर्चा में रहा है। उस पर अगर कोई अपने विचार रखता है तो सरकार को अपना पक्ष रखना चाहिये। ढूंढ़-ढूंढ़कर मुकदमे चलाना हास्यास्पद ही है।

# चुनाव के बीच खेल

## दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

विधानसभा चुनाव सिर पर हैं और उसके बाद लोकसभा चुनाव के लिए जनता के बीच फिर से जाना है। देश के राजनैतिक माहौल में इस वक्त सारी चिंताओं से बढ़कर सबसे बड़ी चिंता चुनावों की ही नजर आ रही है। जो सत्ता में है वो उस पर किसी भी तरह से बने रहने की कोशिश में है, जो नहीं है, उसका सारा ध्यान इसी बात पर है कि किसी भी तरह सत्ता में लौटा जाए। भाजपा के लिए भी यही चिंता इस वक्त दिखाई दे रही है, लेकिन भाजपा नेता अमित मालवीय का एक ट्वीट आया है, जिसे देखकर समझ आता है कि भाजपा की चिंता सत्ता में बने रहना तो है ही, कांग्रेस और कांग्रेस के नेता उसके लिए सबसे बड़ी चिंता बने हुए हैं। तभी तो कांग्रेस की हर छोटी-बड़ी बात पर भाजपा चील जैसी पैनी निगाह रख रही है। अपने एक ट्वीट में अमित मालवीय ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की एक तस्वीर डालते हुए लिखा है-कितनी भी माथा-पच्ची कर लें, सरकार तो आनी नहीं है इसलिए कैंडी क्रश खेल रहे हैं। दरअसल प्रदेश चुनाव समिति की एक बैठक में किसी ने मुख्यमंत्री बघेल की यह तस्वीर खींची है। इस बैठक में चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा होनी थी, और इसमें श्री बघेल के अलावा चुनाव प्रभारी कुमारी शैलजा और उपमुख्यमंत्री एम टी एस सिंह देव समेत कुछ नेता भी शामिल थे। इसी दौरान किसी ने भूपेश बघेल के पीछे से यह फोटो खींच ली और अब यह फोटो वायरल हो गई है। पीछे से खींची गई फोटो से साफ है कि फोटो लेने वाला जानता था कि वह किसकी फोटो ले रहा है और किस तरह ले रहा है, जबकि श्री बघेल इससे अनभिज्ञ रहे होंगे, यह अनुमान लगाना कठिन नहीं है। इस फोटो को यूं ही नहीं खींचा गया है, ये भी जाहिर सी बात है। क्योंकि ऐसे ही खींची गई तस्वीर वायरल नहीं करवाई जाती। बैठक कांग्रेस की थी और उम्मीदवारों के चयन को लेकर थी, तो इसका मतलब इसमें बहुत सी ऐसी बातें भी हुई होंगी, जो बाहर नहीं जाना चाहिए। लेकिन अगर फोटो बाहर आ सकती है, तो क्या बैठक के दौरान की गई बातें बाहर नहीं गई होंगी, ये भी विचारणीय है। बहरहाल, ये सोचना कांग्रेस का काम है कि आखिर उसकी बंद कमरे की बैठक में क्या घर के भेदी भी शामिल हुए थे, या कोई है, जो दोनों ओर का खेल खेल रहा है। चुनावों में ऐसे खेलों से ही अक्सर बाजी पलट जाया करती है।

वैसे यह जानना भी रोचक है कि भाजपा की दिलचस्पी आखिर किस किस्म के खेल में है। क्योंकि जिस तरह से अमित मालवीय ने भूपेश बघेल पर तंज कसा कि सरकार तो आनी नहीं है, इसलिए कैंडी क्रश खेल रहे हैं। उससे यह संदेश निकल रहा है कि भाजपा अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है। हालांकि भूपेश बघेल ने भी जवाब दे दिया है कि पहले भाजपा को ऐतराज था कि मैं गेड़ी क्यों चढ़ता हूं, भौंरा क्यों चलाता हूं, गिल्ली-डंडा क्यों खेलता हूं, प्रदेश में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक क्यों हो रहे हैं? कल एक बैठक से पहले फ़ोटो मिल गई जिसमें मैं कैंडी क्रश खेल रहा हूं। अब भाजपा को उस पर ऐतराज़ है। दरअसल उनको मेरे होने पर ही ऐतराज है। पर यह तो छत्तीसगढ़ के लोग हैं जो तय करते हैं कि कौन रहेगा कौन नहीं रहेगा। मैं गेड़ी भी चढ़ूंगा। गिल्ली-डंडा भी खेलूंगा। कैंडी क्रश भी मेरा फेवरेट है। ठीक-ठाक लेवल पार कर लिया हूं, वो भी जारी रहेगा। बाकी छत्तीसगढ़ को पता है कि किसे आशीर्वाद देना है।

मुख्यमंत्री बघेल ने बिल्कुल माकूल जवाब दे दिया है। वाकई वो कैंडी क्रश के अच्छे खिलाड़ी हैं, उनके ही ट्वीट से पता चला है कि वो 4400वें स्टेज पर पहुंच गए हैं। पाठक जानते ही हैं कि कैंडी क्रश खेल में एक ही रंग की दो कैंडी का मिलान करते हुए आगे बढ़ते हैं। कुछ लोगों के लिए ये टाइमपास है, कुछ के लिए अपनी निगाहों के पैनेपन को जांचने का तरीका और कुछ के लिए मनोरंजन। चुनाव की थकान और तनाव के बीच अगर भूपेश बघेल कैंडी क्रश खेल रहे हैं, तो उस पर किसी को क्या आपत्ति हो सकती है। वैसे बात निकली है, तो यह प्रसंग याद आ गया कि इसी साल जून में क्रिकेट सितारे एम एस धोनी का फ्लाइट में कैंडी क्रश खेलते हुए एक वीडियो वायरल हुआ, इसके बाद तीन घंटे में कुछ 30 लाख लोगों ने इस गेम को अपने फोन पर डाउनलोड किया। कैंडी क्रश ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर इसके लिए धोनी को धन्यवाद भी दिया कि आपकी वजह से हम ट्रेंड कर रहे हैं। अब शायद कैंडी क्रश एक धन्यवाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को भी दे कि उनकी वजह से वह फिर चर्चा में आ गया या इस बार का धन्यवाद अमित मालवीय के लिए रहेगा।

श्री मालवीय जिस तरह कांग्रेस नेताओं पर पैनी निगाह बनाए हुए हैं, वह भी अपने आप में एक मिसाल ही है। कभी राहुल गांधी की टी-शर्ट के नीचे कौन सा अंत:वस्त्र पहना है, इसकी पड़ताल की जाती है, कभी कांग्रेस के मुख्यमंत्री अपने मोबाइल पर कौन सा खेल खेलते हैं, इस पर चर्चा होती है। भाजपा को आश्चर्य भी हो रहा होगा कि आखिर कांग्रेस नेता ऐसा खेल क्यों खेल रहे हैं, जिसमें कोई पेचीदे नियम नहीं हैं, सीधा-सादा जोड़ी मिलाने का खेल है। भई, खेल खेलना है तो फिर ट्रोल आर्मी का खेल देखें या फेक न्यूज फैक्ट्री का, जो हर दिन नए-नए झूठ जनता के बीच परोसने का खेल खेलती है। जैसे अभी इजरायल के फिलीस्तीन पर किए हमले में भारत के राष्ट्रवादियों ने लाइन से इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की 9-10 साल पुरानी तस्वीर डाल दी और लिखा कि सच्चे देशभक्त, बहादुर नेता, जो हमास से लड़ने के लिए अपने बेटे को मोर्चे पर भेज रहे हैं। हकीकत ये है कि ये तस्वीर तब की है, जब नेतन्याहू का बेटा सेना का आवश्यक प्रशिक्षण लेकर लौटा था। राष्ट्रवादियों में से एक ने सोनिया गांधी से मांग कर दी कि वे राहुल गांधी को चीन से लड़ने के लिए भेज कर बताएं। इस बहादुर इंसान ने श्री मोदी या उनकी केबिनेट के मंत्रियों और उनके होनहार बच्चों का नाम नहीं लिखा। शहादत के नाम पर गांधी परिवार ही उसे याद आया। हमारे पत्रकार बंधु भी पिछले कई सालों से पत्रकारिता का गजब खेल खेल रहे हैं। मणिपुर जाकर जो जमीनी हकीकत का पता नहीं लगा सके, वो इजरायल की रिपोर्टिंग में दिन-रात एक कर रहे हैं। उन्हें इस खेल की प्रेरणा प्रधानमंत्री से ही मिली होगी। जिन्होंने मणिपुर पर दो लाइन कहने के लिए तीन महीने का लंबा वक्त लिया, लेकिन इजरायल पर हमले की खबर सुनते ही सदमे वाला ट्वीट कर दिया। ऐसी संवेदनशीलता लाने के लिए कौन सी राजनीति का खेल खेला जा रहा है, ये समझना कठिन नहीं है। प्रधानमंत्री ने अभी फिर कहा है कि भारत इजरायल के साथ है। वे चाहते तो कह सकते थे कि भारत फिलीस्तीन के साथ है, भारत मानवता के साथ है। लेकिन फिर उन्हें अपने ऊपर भी तो जवाब देना है। इस खेल का सबसे बड़ा खिलाड़ी अमेरिका तो अभी जंग की इस पारी को और लंबा खींचना चाहता होगा, ताकि हथियारों की बिक्री बढ़े और उसका मुनाफा भी। अमेरिका तो अपने खेल को छिपाता भी नहीं। यूक्रेन अपनी आजादी के लिए लड़े तो उसके साथ और फिलीस्तीन अपनी मुक्ति की बात करे तो वो आतंकी, ये दोहरे मापदंड बड़ी आसानी से उसने अपनाया है और उसके पिछलग्गू भी वही कर रहे हैं। अमेरिका की युद्ध वाली रिले रेस का हिस्सा हम न ही बनें तो अच्छा है, लेकिन इसके लिए सख्ती तो दिखानी होगी। वैसे इजरायल अभी भारत का साथ पाकर खुश हो जाए, लेकिन उसे भी ये खेल शायद पूरी तरह समझा नहीं है। जो लोग अभी इजरायल के साथ खड़े होने का दावा कर रहे हैं, ये वही जमात है, जिसे हिटलर के शुद्ध रक्त और नस्ल वाले विचार आकर्षक लगते हैं।

दुनिया में जंग का खेल चल रहा है, जिसमें मुनाफा कमाया जा रहा है और हमेशा की तरह औरतों, बच्चों और तमाम मासूमों के साथ पैशाचिक व्यवहार किया जा रहा है। छोटी या बड़ी जंग, हर जगह सबसे पहला निशाना औरतें ही बनती हैं। मणिपुर से लेकर इजरायल और फिलीस्तीन तक यही नजर आया है। ऐसे खूनी और विनाशकारी खेल पर पैनी निगाह होनी चाहिए, ताकि जहां इसकी शुरुआत दिखे, वहीं उसे रोक दें। कैंडी क्रश खेलने में तो किसी का नुकसान नहीं है। लेकिन भाजपा अभी कैंडी क्रश खेलने वालों की निगरानी कर रही है। उसका पसंदीदा खेल शायद यही है।

> **श्री मालवीय जिस तरह कांग्रेस नेताओं पर पैनी निगाह बनाए हुए हैं, वह भी अपने आप में एक मिसाल ही है। कभी राहुल गांधी की टी-शर्ट के नीचे कौन सा अंत:वस्त्र पहना है, इसकी पड़ताल की जाती है, कभी कांग्रेस के मुख्यमंत्री अपने मोबाइल पर कौन सा खेल खेलते हैं, इस पर चर्चा होती है। भाजपा को आश्चर्य भी हो रहा होगा कि आखिर कांग्रेस नेता ऐसा खेल क्यों खेल रहे हैं, जिसमें कोई पेचीदे नियम नहीं हैं।**

# हमास-इजरायल युद्ध पर पीएम मोदी की एकतरफा प्रतिक्रिया अशुभ संकेत

■ नित्य चक्रवर्ती

यह अब फ़िलिस्तीनी उग्रवादियों और इज़रायल के बीच एक पूर्ण युद्ध है। पिछले पांच दिनों में करीब दो हजार लोगों की मौत हो चुकी है। सभी संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि एक तरफ हमास के मित्रवत अन्य उग्रवादी शामिल हैं और दूसरी तरफ अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा घोर दक्षिणपंथी नेतन्याहू शासन को बड़ी सहायता दी जा रही है। ऐसा लगता है कि हमास और इज़राइल दोनों ही अंत तक लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पिछले दो वर्षों में, 24 फरवरी, 2022 को रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले के बाद यह दूसरा बड़ा युद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी ने 7अक्टूबर को एक ट्वीट में इजरायल पर हमास के हमलों की खबर पर गहरा आघात व्यक्त किया। प्रधानमंत्री निश्चित रूप से अचानक हमास के हमले और निर्दोष नागरिकों की मौत पर अपना दुख व्यक्त कर सकते हैं, लेकिन युद्ध की समाप्ति की आवश्यकता के बारे में कुछ भी उल्लेख किये बिना और फिलिस्तीन मुद्दे का बिल्कुल भी उल्लेख किये बिना भारत के इजरायल के साथ एकजुटता से खड़े होने की बात करना एक अशुभ संकेत देता है। इजरायल-फ़िलिस्तीन विवाद में भारत की स्थिति में गहरा बदलाव आया है।

अरब देशों के अलावा, अफ्रीकी संघ के सदस्य, जिन्हें भारतीय प्रधानमंत्री ने सितंबर शिखर सम्मेलन में जी-20 की नई सदस्यता दी, वे प्रधानमंत्री के इजरायल समर्थक रुख से सहज नहीं होंगे।

स्थिति को अभी भी बचाया जा सकता है यदि प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री वर्तमान पश्चिम एशियाई युद्ध पर एक विस्तृत बयान जारी करते हैं, जो कुछ गलतफहमियों को दूर करें जो निश्चित रूप से वैश्विक दक्षिण सदस्यों के बीच पैदा हुई हैं। प्रधानमंत्री इस साल नवंबर में वर्चुअल जी-20 बैठक को संबोधित करेंगे - जी-20 प्रमुख के रूप में उनका यह आखिरी कार्यभार होगा। अगर मौजूदा युद्ध जारी रहा तो भारतीय प्रधानमंत्री को इस वर्चुअल शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ सदस्यों के कई शर्मनाक सवालों का सामना करना पड़ेगा। भारतीय प्रधानमंत्री ने यूक्रेन युद्ध मामले में अपनी कूटनीतिक सफलता से जो विश्वसनीयता अर्जित की थी, वह हमास-इजरायल युद्ध पर इस रुख से चकनाचूर हो गई है। भारत की स्थिति संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व वाले जी-7 देशों के समान है, न कि ग्लोबल साउथ के साथ-साथ रूस और चीन के समान।

कांग्रेस पार्टी ने अपने बयान में हमास के हमले और निर्दोष इज़रायली नागरिकों की मौत पर दुख व्यक्त करने के साथ ही फ़िलिस्तीन प्रश्न के स्थायी समाधान की आवश्यकता को भी रेखांकित किया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिवालय ने अपने बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय, संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार से 1967 से पहले की सीमाओं और पूर्वी यरुशलम को फिलिस्तीन की राजधानी बनाने वाले दो राज्यों के समाधान का समर्थन करके स्थायी शांति की स्थापना के लिए प्रयास करने का आह्वान किया।

पश्चिमी देश और अंतरराष्ट्रीय मीडिया हमास को आतंकवादियों और राक्षसों के रूप में चित्रित करते रहे हैं। हमास गाजा पट्टी में मुख्य फिलिस्तीनी आतंकवादी बल है और वे पिछले कुछ वर्षों से, खासकर पिछले चुनाव के बाद से, इजरायली स्नाइपर हमलों से लड़ रहे हैं। बेंजामिन नेतान्याहू इजरायली प्रधानमंत्री के रूप में अपनी वापसी कर रहे हैं।

नेतान्याहू इजरायल के इतिहास की सबसे दक्षिणपंथी सरकार के प्रमुख हैं। यहां तक कि इज़रायल में कुछ विपक्षी दलों द्वारा भी इसे फासीवादी करार दिया गया है, जिसमें कम्युनिस्ट पार्टी भी शामिल है। इसके स्वयं के कुछ मंत्री सहमत हैं, जैसे इसके वित्त मंत्री बेजेलेलस्मोट्रिच खुद को 'फासीवादी होमोफोब' के रूप में वर्णित करते हैं। इजरायली पीएम के 2018 के कुख्यात नेशन स्टेट कानून ने अपने नागरिकों के पांचवें हिस्से की अधीनस्थ स्थिति को औपचारिक रूप दिया, जिसे 'इजरायली अरब' कहा जाता है। इस शब्द का प्रयोग इसलिए किया जाता है क्योंकि इज़रायल फिलिस्तीन को एक राष्ट्र और फिलिस्तीनियों को संप्रभु लोगों के रूप में मान्यता देने से इनकार करता है।

इसने, अवैध रूप से कब्जे वाली या घिरी हुई भूमि पर फिलिस्तीनियों के प्रणालीगत उत्पीड़न के साथ, दुनिया के सबसे प्रमुख उदारवादी मानवाधिकार संगठनों, एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच को इस बात पर सहमत होने के लिए प्रेरित किया है कि इज़रायल एक रंगभेदी राज्य है। एमनेस्टी ने आकलन किया कि नियमित रूप से 'फिलिस्तीनी भूमि और संपत्ति की बड़े पैमाने पर जब्ती, गैरकानूनी हत्याएं, जबरन स्थानांतरण, कठोर आंदोलन प्रतिबंध, और फिलिस्तीनियों को राष्ट्रीयता और नागरिकता से वंचित करना' दमन की एक व्यापक प्रणाली के बराबर है 'जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत रंगभेद के बराबर है'। फिर भी इज़रायल ने न केवल वर्षों से ऐसी प्रणाली संचालित की है, बल्कि यह बदतर होती जा रही है। शनिवार को हमास द्वारा हमला शुरू करने से पहले सैकड़ों फिलिस्तीनी मारे गये थे। संयुक्त राष्ट्र ने पहले ही इसे 2006 के बाद से फिलिस्तीनियों के लिए सबसे घातक वर्ष माना है।

जैसे ही इजरायल-हमास युद्ध चौथे दिन में प्रवेश कर गया, नेतन्याहू के नेतृत्व वाला इजरायल गाजा पट्टी पर भारी बमबारी कर रहा है, जहां से बचने का कोई रास्ता नहीं है, जमीन और समुद्र अवरुद्ध है। अस्पताल, स्कूल, ऊंची इमारतें, विरासती मस्जिदें और यहां तक कि दुनिया का तीसरा सबसे पुराना चर्च भी धूल में मिला दिया गया है, और अपने साथ असंख्य कीमती जिंदगियां भी ले गया है। इजरायल के अंधे प्रतिशोध से गाजा के बच्चे और पत्रकार मारे जा रहे हैं। नागरिक आबादी पर इन नरसंहार हमलों में पूरे परिवारों का सफाया हो रहा है, जबकि संभवत: इस प्रक्रिया में हमास की हिरासत में इजरायली बंधकों और युद्धबंदियों की भी मौत हो रही है। गाजा, 20 लाख से अधिक फ़िलिस्तीनियों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी खुली जेल, एक बैठी हुई असुरक्षित बत्तख के समान है। इसके आलोक में, प्रधानमंत्री मोदी का स्पष्ट रूप से इज़रायल का पक्ष लेना निश्चित रूप से इतिहास में निर्णय में एक बड़ी त्रुटि के रूप में दर्ज किया जायेगा। भारत खुद को 'ग्लोबल साउथ की आवाज' के रूप में कैसे पेश कर सकता है, अगर वह इस लंबे संघर्ष यानी इजरायल-फिलिस्तीन मुद्दे के बारे में ग्लोबल साउथ की सोच से इतना दुखद रूप से भिन्न है?

> **स्थिति को अभी भी बचाया जा सकता है यदि प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री वर्तमान पश्चिम एशियाई युद्ध पर एक विस्तृत बयान जारी करते हैं, जो कुछ गलतफहमियों को दूर करें जो निश्चित रूप से वैश्विक दक्षिण सदस्यों के बीच पैदा हुई हैं। प्रधानमंत्री इस साल नवंबर में वर्चुअल जी-20 बैठक को संबोधित करेंगे - जी-20 प्रमुख के रूप में उनका यह आखिरी कार्यभार होगा।**

## पावन प्रसंग

# सद्‌गुण का पुरस्कार है- सम्मान

यश और सम्मान प्राप्त करने की अभिलाषा प्रत्येक मनुष्य को होती है किंतु जिन कार्यों से सम्मान मिलना संभव होता है, उन्हें करने के लिए बहुत कम लोग राजी होते हैं। झूठे सम्मान के लोभी व्यक्तियों को बहुत प्रयास करने पर भी असफलता ही हाथ लगती है। जिस योग्यता पर यश मिलता और सम्मान बढ़ता है, उसे बढ़ाया न जाए तो यह महत्वाकांक्षा अधूरी ही बनी रहेगी। उचित योग्यता के अभाव में भला किसी को सम्मान मिला भी है? मनुष्य की बड़ी इच्छा होती है कि वह प्रधानमंत्री बन जाए। सेनापति या कोई वरिष्ठ पद पाने की कामना तो बहुत लोग करते हैं, पर राज्य संचालन,सैन्य व्यवस्था की उचित योग्यता न हुई तो यह अधिकार कैसे मिल सकेंगे? संयोगवश यदि मिल भी जाए तो बंदर के हाथ में तलवार के समान आफतों को बुलावा देना ही होगा। इस तरह मिला सम्मान दुख, क्लेश और अशांति ही दे सकता है, उससे मनुष्य की आकांक्षा किसी भी तरह पूरी नहीं होती। आप यदि यह चाहते हैं कि आप सम्मानित व्यक्ति ठहराए जाएं, आपकी प्रशंसा हो, सभी आपको आदर दें, तो आदरणीय पुरुषों की विशेषताओं का आपको अध्ययन करना होगा। जिन गुणों के आधार पर लोग आदर के पात्र गिने जाते हैं, उनका अनुसरण करेंगे तो आपका गौरव जाग्रत होगा। परन्तु आप बाहरी टीम-टाम के भ्रम में डालकर लोगों का सम्मान प्राप्त करने की कामना की तो महंगा मोल चुकाकर आपके हाथ कुछ न आएगा।

गुणों का विकास करने में प्रयत्नशील हों तो संदेह नहीं आप सम्मान प्राप्त करेंगे। लोग गुणों की पूजा करते हैं, व्यक्ति की नहीं। सच्चाई को सिर झुकाते हैं, बनावटीपन को नहीं। टेसू का फूल देखने में बड़ा आकर्षक होता है, किंतु लोग गुलाब की सुवास को अधिक पसंद करते हैं। आप में सद्‌गुणों का विकास हो तो आप अवश्य ही प्रशंसा के पात्र हैं। गुणों की मात्रा उतनी बढ़ती है, जितनी मनुष्य की योग्यता विकसित होती है, उसी अनुपात में लोग उधर आकर्षित होते हैं। अच्छा काम करने वालों की सर्वत्र प्रशंसा होती है। विद्वान सिसरो का कथन है-' सम्मान सद्‌गुण का पुरस्कार है।' यह बात अक्षरश: सत्य है कि सच्चा सम्मान गुणवान को ही प्राप्त होता है।

आपके किसी एक गुण का विकास सामान्य श्रेणी के व्यक्तियों से जितना अधिक होगा, उतना ही आपको अधिक यश मिलेगा। कर्ण के युग में दान देने की परंपरा सामान्य थी, किंतु यह प्रवृत्ति कर्ण में विलक्षणता लिए हुए थी। दान की परंपरा में वह श्रेष्ठतम प्रमाण बने इसलिए उसे 'दानवीर' कहलाने का सौभाग्य मिल सका। माता-पिता के प्रति आदर और सम्मान की भावनाएं अधिकांश लोगों में होती है। लोग अपनी श्रद्धा के अनुसार उनकी सेवा करते हैं, किंतु श्रवण कुमार की पितृभक्ति पराकाष्ठा का स्पर्श करने लगी थी, इसलिए उसे सर्वोच्च ख्याति मिली। सद्‌गुणों के प्रति निष्ठावान होने से ही सर्वोपरि सम्मान मिलता है।

यों मानवता के प्रति उत्सर्ग की भावना कुछ न कुछ सभी में होती है। अपनी-अपनी सामर्थ्य और योग्यता के अनुसार लोग इस आध्यात्मिक सद्‌गुण को अपनाते भी हैं, किंतु देवत्व की स्थापना में अपने आप को जीवित होम कर देने के कारण जो बड़प्पन गौरव और उच्च पद महर्षि दधीचि को मिल गया, वह अन्य किसी को नहीं। यश की साधना में किसी एक सद्‌गुण पर पूर्ण रूप से निष्ठावान होना पड़ता है। आजीवन ब्रह्मचारी भीष्म-पितामग, परमभक्त हनुमान, महासती अनसूया, तपस्वी दुर्वासा,सत्यवादी हरिश्चन्द्र अपने विशिष्ट गुणों के कारण ही उच्चतम सम्मान पाने के अधिकारी बन सके थे। गुणों की विशिष्टता के कारण ही पूज्य पद होते आए हैं। यह सनातन नियम आगे भी इसी तरह चलता रहेगा। सामान्य स्तर के व्यक्ति के लिए भी जीवन में सम्मान प्राप्त करने का एक सीधा सच्चा उपाय है और वह है-सबके प्रति आदर एवं शुभ अभिलाषा का भाव। किसी के प्रति बैरभाव, ईर्ष्या, द्वेष, और प्रतिशोध की भावना न रखना, सबके साथ मिलकर प्रेम,न्याय. दया,करुमा और सहृदयता से रहकर यह स्थिति सहज ही में प्राप्त हो जाती है।

**युग निर्माण योजना**

## आपके पत्र

# शादी-ब्याह:बढ़ता दिखावा-घटता अपनापन

हम बात करेंगे शादी समारोहो में होने वाली भारी-भरकम व्यवस्थाओं और उसमें खर्च होने वाले अथाह धन राशि के दुरुपयोग की। सामाजिक भवन अब उपयोग में नहीं लाए जाते हैं, शादी समारोह हेतु यह सब बेकार हो चुके हैं कुछ समय पहले तक शहर के अंदर मैरिज हॉल में शादियां होने की परंपरा चली परंतु वह दौर भी अब समाप्ति की ओर है! अब शहर से दूर महंगे रिसोर्ट में शादियां होने लगी है। शादियों के आयोजन के लिए बड़े नामी-गिरामी सैवन स्टार होटल बुक करने की भी परिपाटी बनती जा रही है। इन होटलों में लाखों रुपए खर्च कर शादी का सैट खड़ा किया जाने लगा है। शादी के 2 दिन पूर्व से ही ये रिसोर्ट बुक करा लिए जाते हैं और शादी वाला परिवार वहां शिफ्ट हो जाता है। आगंतुक और मेहमान सीधे वहीं आते हैं और वहीं से विदा हो जाते हैं। इतनी दूर होने वाले समारोह में जिनके पास अपने चार पहिया वाहन होते हैं वहीं पहुंच पाते हैं और सच मानिए समारोह के मेजबान की दिली इच्छा भी यही होती है कि सिर्फ कार वाले मेहमान ही रिसेप्शन हॉल में आये। और वह निमंत्रण भी उसी श्रेणी के अनुसार देता है दो तीन तरह की श्रेणियां आजकल रखी जाने लगी है।

ऐसी शादियों को देखकर मध्यम व निम्न वर्ग भी शादियों में पैसे को पानी की तरह बहाने से जरा भी नहीं हिचकिचा रहे। यहां तक कि लोग शादी में अपना स्तर, रुतबा और झूठी शानो-शौकत का प्रदर्शन करने के लिए कर्ज लेकर भी महंगी शादियां आयोजित कर रहे हैं। एक मजेदार चीज और है जो शादी ड्रीम वैडिंग कही जाती थी, उसे टूटने में दो पल नहीं लगते। कल तक जहां तलाक इक्का-दुक्का सुनाई देते थे, वे आज सैंकड़ों गुना बढ़ गए हैं। किसको सिर्फ लेडीज संगीत में बुलाना है !किसको सिर्फ रिसेप्शन में बुलाना है। किसको कॉकटेल पार्टी में बुलाना है। और किस वीआईपी परिवार को इन सभी कार्यक्रमों में बुलाना है। इस आमंत्रण में अपनापन की भावना खत्म हो चुकी है। सिर्फ मतलब के व्यक्तियों को या परिवारों को आमंत्रित किया जाता है। भौतिकता की पराकाष्ठा के समय में जिसमें प्रत्येक कार्य व रिश्तों को धन की बुनियाद पर खड़ा किया जाने लगा है और वो सम्पूर्ण मानव जाति के लिये घातक कदम साबित हो रहा हैं सम्प्रति विवाहों में धन का प्रदर्शन किन—किन तरीकों से होने लगा है सब कल्पनातीत है, आज इंसान को अपने धन की बाहुलता को सिद्ध करने का अवसर विवाह ही नजर आता है और वो ऐसा मान बैठा की विवाह से अच्छा कोई अवसर नहीं है जहाँ धनखर्च किया जाए? जबकि विवाह एक संस्कार है जिसमें मानवीय व सामाजिक मूल्यों की मर्यादा का पालन करते हुए सम्पन्न करना अपेक्षित होता है। इसलिए विवाह को सोलह संस्कारों में स्थान मिला है। इस संस्कार में रिश्तेदारों का मिलना जुलना शुभ माना जाता है मगर आजकल की शादियों में प्रत्येक परिवार अलग-अलग कमरे में ठहरते हैं जिसके कारण दूरदराज से आए बरसों बाद रिश्तेदारों से मिलने की उत्सुकता कहीं खत्म सी हो गई है। कहने को तो रिश्तेदार की शादी में आए हुए होते हैं परंतु अहंकार उनको यहां भी नहीं छोड़ता। वे अपना अधिकांश समय करीबियों से मिलने के बजाय अपने अपने कमरो में ही गुजार देते हैं। आज सब कुछ विपरीत हो रहा है न तो परवाह है रीति रिवाजों की न सामाजिक मूल्यों की बस यदि है तो मीनू के कितने प्रकार के व्यंजन है, पेय पदार्थ कितने हैं, बाहरी साज सज्जा कैसी है यदि इसमें कोई कमी रह जाती है तो सगे सम्बन्धी, मित्रगण अपनी प्रतिकूल टिप्पणी करने में देरी नहीं करते जबकि विवाह सामाजिक समरसता को उर्वर बनाने का माध्यम है।

**सत्यवान सौरभ**

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, आचार संहिता के बारे में दी जानकारी

# लाड़ली बहना योजना बंद नहीं होगी, लेकिन नए हितग्राही नहीं जुड़ेंगे

- सरकारी संसाधनों का चुनाव में उपयोग नहीं कर सकेंगे मंत्री
- स्वेच्छानुदान पर लगाई रोक
- कोई नया निर्माण कार्य भी नहीं होगा

**भोपाल, देशबन्धु।** विधानसभा चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बंद नहीं की जाएगी, हालांकि इसमें नए हितग्राही के जोड़ने पर रोक रहेगी। लाड़ली बहना योजना के साथ ही अन्य हितग्राही मूलक योजनाएं चलती रहेंगी। प्रदेश में संविदाकर्मी, आंगनबाड़ी, आशा-ऊषा कार्यकर्ता को भी मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। जबकि चुनाव प्रक्रिया के दौरान कोई नया निर्माण भी नहीं हो सकेगा। वहीं मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक किसी को स्वेच्छानुदान नहीं दे सकेंगे।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि निर्वाचन आयोग नए निर्देशानुसार कोई भी मंत्री अपने सरकारी काम के साथ-साथ चुनावी दौरा नहीं कर सकेंगे। चुनाव कार्य के दौरान सरकारी मशीनरी का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। राजकीय विमान या वाहन का उपयोग केवल सरकारी कार्य के लिए होगा। राज्य के खर्च पर अब कोई विज्ञापन नहीं दिया जाएगा। मंत्री सड़क बनाने या पानी पहुंचाने का वादा नहीं कर सकेंगे, कोई नियुक्ति नहीं दी जाएगी। मतदाता को प्रभावित करने वाला कोई भी काम अब नहीं हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी का स्थानांतरण करना आवश्यक है तो उसके लिए प्रस्ताव बनाकर अनुमति के लिए आयोग को भेजना होगा। किसी भी शासकीय या सार्वजनिक स्थान पर किसी का एकाधिकार नहीं होगा। आनलाइन अनुमतियां दी जाएंगी। शासकीय वेबसाइट से राजनीतिक व्यक्तियों के फोटो या संदेश हटाए जाएंगे। शासकीय संपत्ति पर लगे होर्डिंग्स या पोस्टर 24 घंटे, सार्वजनिक संपत्ति पर 48 घंटे और निजी संपत्ति पर लगे होर्डिंग्स 72 घंटे में हटाए जाएंगे। लाउडस्पीकर रात 10 से सुबह 6 बजे तक बंद रहेंगे। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राकेश सिंह, श्रीमती रुचिका चौहान, मनोज खत्री, बसंत कुर्रे, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद शुक्ला तथा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

### 24 घंटे काम करेगा कंट्रोल रूम

शिकायतों के निराकरण के लिए राज्य और जिला स्तर पर 24 घंटे कंट्रोल रूम प्रारंभ हो गए हैं। सी विजिल एप पर भी आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की जा सकेगी। सौ मिनट में कार्रवाई की सूचना भी दी जाएगी।

### पौने 15 लाख लीटर से ज्यादा अवैध शराब बरामद

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि पिछले एक माह में जांच एजेंसियों ने साढ़े 7 करोड़ की नकदी जब्त की है। वहीं, 14 लाख 93 हजार लीटर शराब जब्त की है, जिसका मूल्य 24 करोड़ रुपये है। 22 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स, 12 करोड़ रुपये की बहुमूल्य धातु से बनी वस्तु और 60 करोड़ रुपये मूल्य की अन्य सामग्री जब्त की गई है। बीते 4 माह में एक लाख 70 हजार 623 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई तो एक लाख 77 हजार 33 गैर जमानती वारंट तामील कराए गए। इस दौरान 6 हजार 424 अवैध हथियार जब्त किए गए तो 35 हजार हथियार जमा कराए गए।

# 2 मकानों के ताले तोड़कर सवा लाख का सामान चोरी

**भोपाल, देशबन्धु।** राजधानी पुलिस को शातिर चोरों ने सबसे ज्यादा परेशान करके रखा है। तमाम कोशिशों के बाद भी थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच मिलकर भी किसी बड़े चोर गिरोह को पकड़ने में सफल नहीं हो पा रही हैं, जबकि शातिर बदमाश रोजाना चोरी की वारदात कर रहे हैं। ताजा मामला रातीबड़ थाना क्षेत्र का है, जहां शातिर चोरों ने दो अलग-अलग घरों में वारदात की। बदमाश दोनों ही घरों में ताले तोड़कर घुसे और करीब सवा लाख कीमत का माल समेटकर फरार हो गए।

रातीबड़ पुलिस के मुताबिक हरी गंगा कालोनी नीलबड़ में रहने वाले अरुण परमार निजी काम करते हैं। सात अक्टूबर को वह किसी काम से बाहर गए थे। इस दौरान चोरों ने उनके घर में घुसकर आराम से घर की तलाशी ली। लेकिन वह घर में ज्यादा सोना चांदी नहीं रखते हैं,इसलिए उनका सिर्फ दस हजार कीमत का सामान चोरी हुआ। लेकिन उनके घर से थोड़ी ही दूरी पर लेक व्यू कालोनी रातीबड़ निवासी मनोज राठौर के सूने घर में अज्ञात बदमाशों ने धावा बोलकर करीब एक लाख कीमत से ज्यादा का सामान चुरा लिया। चोरी गए सामान में सोने-चांदी के जेवरात और नकदी भी शामिल हैं। मनोज ने चोरी गए सामान की पूरी सूची पुलिस को दे दी है। पुलिस ने दोनों पीड़ित परिवार की शिकायत पर अज्ञात चोरों प्रकरण दर्ज तो कर लिया है, लेकिन फिलहाल चोरों के बारे में कोई विशेष सुराग नहीं तलाश पाई है। पुलिस अब चोरों की तलाश में संबंधित घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। साथ ही इस संबंध में क्राइम ब्रांच से भी जानकारी साझा कर ली है।

### 2 दिन बाद कम होगी धूप की चुभन, रात का तापमान बढ़ेगा

**भोपाल, देशबन्धु।** मानसून पूरे प्रदेश से जा चुका है और पश्चिमी विक्षोभ के आने का भी सिलसिला शुरू हो चुका है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक फिलहाल वातावरण से नमी तेजी से कम होने के कारण आसमान पूरी तरह से साफ है। इस वजह से पूरे प्रदेश में दिन का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। हालांकि हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पश्चिमी बना रहने के कारण रात का तापमान सामान्य के आसपास बना हुआ है। लेकिन दो दिन बाद पश्चिमी विक्षोभ के असर से दिन के तापमान में कुछ कमी आने और रात का तापमान बढ़ने के आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक आसमान साफ रहने से तीखी धूप पड़ रही है। इस वजह से दिन का तापमान पूरे प्रदेश में सामान्य से अधिक बना हुआ है। मंगलवार को प्रदेश में सबसे अधिक 37.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दमोह में दर्ज किया गया था, जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक रहा था।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा-

# कांग्रेस के खून में अंग्रेजों के जींस, विभाजन उसका मूलचरित्र

**भोपाल, देशबन्धु।** प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा है कि इजराइल पर आतंकियों के बर्बर हमले से देश की जनता स्तब्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इस हमले पर पर दुख व्यक्त किया है और इस संकट की घड़ी में इजराइल के साथ एकजुटता प्रदर्शित की है। लेकिन ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस इस मामले में देश के अधिकृत स्टेंड से अलग जा रही है और कांग्रेस कार्यसमिति बैठक में आतंकियों के समर्थन में एक प्रस्ताव पारित किया है। कांग्रेस का यह रवैया नया नहीं है, बल्कि कांग्रेस का हाथ हमेशा से आतंकवादियों, नक्सलवादियों और जिहादियों के साथ रहा है। श्री शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कांग्रेस के इस रवैये की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में जनता ही कांग्रेस की इस समस्या का इलाज करेगी। श्री शर्मा ने कहा कि जो देश के लिए खतरनाक हैं, देश पर हमला करते हैं, कांग्रेस उनके लिए प्रेम दिखाती रही है। कांग्रेस के लोग वैश्विक आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को ओसामा जी कहते हैं, तो मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को हाफिज साहब कहते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि दिल्ली में बाटला हाउस एनकाउंटर में मारे गए आतंकियों के लिए सोनिया गांधी ने जहां लगातार आंसू बहाए, वहीं, मि. बंटाढार दिग्विजयसिंह तो उस मुठभेड़ को ही फर्जी बताते रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने सिमी को समर्थन दिया, कर्नाटक चुनाव के समय पीएफआई को समर्थन दिया। मुंबई हमले में अनगिनत बेगुनाहों को मारने वाले आतंकी कसाब के प्रति कांग्रेस का नरम रुख किसी से छिपा नहीं है।

श्री शर्मा ने कहा कि हमारे आदिवासी भाईयों की बात करते समय राहुल गांधी को यह याद रखना चाहिए कि देश में अलग जनजातीय मंत्रालय बनाने का काम स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार ने किया था। वहीं, आदिवासी भाईयों को अधिकार संपन्न और खुशहाल बनाने के लिए पेसा एक्ट लागू करने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान की सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी यह भूल गए कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू जी ने उसी शहडोल से पेसा एक्ट को लागू किया था, जहां पर वो आदिवासी भाईयों में भेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

### राजीव शर्मा को मिली सशर्त स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

**भोपाल, देशबन्धु।** राज्य सरकार द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी राजीव शर्मा को सशर्त स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दे दी गई है। उनके आवेदन को स्वीकार करते हुए सामान्य प्रशासन विभाग ने शर्मा को 9 अक्टूबर से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति प्रदान की है। आइएएस शर्मा 2003 बैच के अधिकारी है, उन्होंने 28 अगस्त और 3 अक्टूबर को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग में आवेदन दिया था। उनके आवेदन पर 3 माह का वेतन जमा करने की प्रावधान में मिली छूट को स्वीकार किया गया है। हालांकि इसके पहले वरदमूर्ति मिश्रा ने 3 माह का वेतन जमा कर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्वीकृत की थी। वहीं दूसरी ओर शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी निशा बांगरे का त्यागपत्र अब तक स्वीकृति नहीं किया है।

### कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता योगेश गुप्ता भाजपा में शामिल

**भोपाल।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा के समक्ष कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता श्री योगेश गुप्ता ने म भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया।इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी, नरेन्द्र सलूजा, दुर्गेश केसवानी, मिलन भार्गव उपस्थित रहे।

# कलेक्टर निशा बांगरे को मुचलके पर छोड़ा, जेल से हुईं रिहा

**भोपाल, देशबन्धु।** छतरपुर की डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे को मंगलवार शाम को जमानत मिल गई। इसके बाद उन्हें रात में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। निशा को सोमवार को भोपाल पुलिस ने हिरासत में लिया था। इसके बाद विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया, जहां उन्होंने जमानत लेने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद निशा को जेल भेज दिया गया था, आज मंगलवार को उन्हें विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ही अदालत से जमानत दे दी गई। जानकारी के अनुसार, बांगरे को 10 हजार के मुचलके पर जमानत दी गई है। निशा ने जेल से बाहर आते ही सबसे पहले आपने 3 वर्षीय बच्चे को गले लगाया। उसे गोद में लेकर दुलार किया। इसके बाद उन्होंने कहा, लोकतंत्र की इस लड़ाई में जनता मेरे साथ है। लोकतंत्र को बचाने जो भी रास्ता अपनाना होगा हम अपनाएंगे।

उल्लेखनी है कि कि निशा बांगरे डिप्टी कलेक्टर के पद से इस्तीफा दे चुकी हैं, लेकिन 3 महीने से भी अधिक का समय बीत जाने के बावजूद सरकार ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। इस्तीफा स्वीकार करवाने के लिए निशा ने आमला से भोपाल तक की पैदल न्याय यात्रा निकाली। सोमवार को वे जब अपने समर्थकों के साथ भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचीं तो उसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। वे आमरण अनशन करने सीएम हाउस की तरफ बढ़ रहीं थीं। निशा आमला विधानसभा से चुनाव लड़ना चाहती हैं, इसके लिए उन्होंने अपना इस्तीफा दिया है।

# विशेषाधिकार समिति के सामने पेश नहीं हुए रमेश बिधूड़ी

- राजस्थान विधान सभा चुनाव में व्यस्त होने का बताया कारण
- दानिश अली के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया था

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बसपा सांसद दानिश अली पर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के मामले में लोक सभा की विशेषाधिकार समिति द्वारा तलब किए जाने के बावजूद भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी समिति के सामने पेश नहीं हुए। बताया जा रहा है कि, राजस्थान विधान सभा चुनाव में व्यस्त होने के कारण रमेश बिधूड़ी आज लोक सभा की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश नहीं हो पाए। सूत्रों की माने तो, बिधूड़ी ने विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह को पत्र लिखकर यह सूचित कर दिया था कि वह आज समिति के सामने पेश नहीं हो पाएंगे। दरअसल, बसपा सांसद दानिश अली और भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी विवाद पर लोक सभा की विशेषाधिकार समिति ने आज पहली बैठक बुलाई थी जिसमें आज समिति ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी को अपना पक्ष रखने के लिए तलब किया था। संसद के विशेष सत्र में लोक सभा में 'चंद्रयान-3 की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां' पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने पिछले महीने 21 सितंबर को दानिश अली के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया था।

### कई सांसदों ने की थी कार्रवाई की मांग

दानिश अली के अलावा लोक सभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले, टीएमसी सांसद अपरूपा पोद्दार, डीएमके सांसद कनिमोझी सहित विपक्ष के कई अन्य सांसदों ने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। वहीं दूसरी तरफ, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और रवि किशन ने भी लोक सभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर दावा किया था कि पहले अली ने बिधूड़ी को उकसाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। भाजपा राज्य सभा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने भी स्पीकर को पत्र लिखकर दानिश अली के व्यवहार की शिकायत की थी।

भाजपा ने वसुंधरा को दिया झटका

# विरोधियों को मिला टिकट, समर्थक लगे किनारे

- 41 की पहली सूची में 29 नए उम्मीदवारों को मौका

**नई दिल्ली, देशबन्धु।** राजस्थान में केंद्रीय नेतृत्व व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बीच की दूरियां बढ़ती जा रही हैं। इससे विधानसभा चुनाव में पार्टी की गुटबाजी खुलकर सामने आ सकती है। सोमवार को जारी प्रत्याशियों की पहली सूची में पार्टी सात सांसदों को मैदान में उतारा। लेकिन सूची को देखकर साफ पता चलता है कि टिकट के बटवारे में वसुधरा की नहीं चली। यहां तक की उनके कई समर्थकों का टिकट काट दिया गया। 41 उम्मीदवारों की पहली सूची में 29 नए उम्मीदवारों को मौका दिया गया है। लेकिन हैरानी की बात है कि इसमें एक भी वसुंधरा समर्थक नहीं हैं। वहीं राजघराने से ही ताल्लुक रखने वाली उनकी धुर विरोधी सांसद दीया कुमारी को विधानसभा का टिकट देकर पाटी ने वसुंधरा को सख्त संदेश भी दे दिया है।

### दीया कुमारी को आगे कर सकती है पार्टी

माना जा रहा है कि पार्टी अब वसुंधरा के विकल्प के तौर पर दीया कुमारी को आगे कर सकती है। पार्टी की पहली सूची में वसुंधरा का नाम न होना भी हैरान करता है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में वसुंधरा समर्थकों द्वारा उन्हें लंबे समय से मुख्यमंत्री को चेहरा घोषित करने की मांग होती आ रही है। लेकिन भाजपा ने साफ कर दिया है कि किसी को भी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया जाएगा। पार्टी सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव में जाएगी। यह वसुंधरा के लिए बडा झटका है। यही स्थिति मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी है। वहां भी क्रमशः शिवराज सिंह चौहान और रमन सिंह को किनारे लगाने की तैयारी है। बता दें कि हाल ही में जयपुर में प्रधानमंत्री की एक रैली हुई,जिसमें वसुंधरा मंच पर मौजूद रहीं। लेकिन प्रधानमंत्री ने न उनसे नजर मिलाई और न ही उनसे कोई बातचीत कीं। तभी से अंदाजा लगाया जा रहा था कि आने वाले दिन राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा को भारी पड़ सकते हैं।

# अल्पसंख्यकों को जोड़ने के लिए अभियान चलाएगी भाजपा

### नड्डा करेंगे स्नेह संवाद अभियान की शुरुआत

**नई दिल्ली, देशबन्धु।** लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा अपना जनाधार व्यापक करने और अल्पसंख्यकों को पार्टी के साथ बड़े पैमाने पर जोड़ने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू करने की तैयारी में हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के ठीक बाद इस अभियान को शुरू किया जाएगा। पार्टी ने इसे अल्पसंख्यक स्नेह संवाद नाम दिया है।

भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पांच दिसम्बर तक पूरी हो जाएगी। इसके बाद ही भाजपा इस अल्पसंख्यक स्नेह संवाद अभियान का आगाज कर देगी। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा इस अभियान की शुरुआत करेंगे। हालांकि इस अभियान में भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा की बड़ी भूमिका होगी। इस अल्पसंख्यक स्नेह संवाद के तहत बूथ सशक्तिकरण से लेकर अल्पसंख्यको के साथ सामाजिक संपर्क बढाने व महिलाओं का सम्मेलन, सूफी सम्मेलन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शुरू किए जा रहे इस अल्पसंख्यक स्नेह संवाद अभियान तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कां भी एक राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा कार्यक्रम होगा। जिसे वे संबोधित करेंगे। हालांकि कार्यकम इस कार्यक्रम की तारीख और जगह अभी तक तय नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि इस पहल के तहत सामाजिक और धार्मिक प्रभाव नेताओं के साथ ही मोदी मित्रों और केंद्रीय योजनाओं की अल्पसंख्यक महिला लाभार्थियों, इसी समुदाय की खेल शख्सियतों व अन्य प्रभावशाली लोगों की चर्चा करवाई जाएगी।

# पुलवामा में इस्तेमाल की जाने वाली आतंकवादियों की अवैध संरचना ध्वस्त

**श्रीनगर, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में एनआईए की सिफारिश पर राजस्व अधिकारियों ने पुलिस सुरक्षा में सरकारी भूमि (दार-उल-उलूम) पर बनी अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा, पुलिस और सेना ने 2022 में 11-12 मार्च की मध्यरात्रि के दौरान पुलवामा के चेवा कलां स्थित दारुल उलूम में एक ऑपरेशन चलाया था, जिसमें करीमाबाद निवासी एक स्थानीय आतंकवादी आकिब मुश्ताक और एक विदेशी आतंकवादी मारा गया था। इस मामले की जांच बाद में एनआईए ने अपने हाथ में ले ली और जांच के दौरान, एनआईए ने दर-उल-उलूम के प्रशासकों अर्थात् चेवाकलां निवासी नसीर मोलवी और उसके सहयोगी इम्तियाज को गिरफ्तार कर लिया, जो पहले से ही हिरासत में थे। पुलिस ने कहा कि दार-उल-उलूम में तीन तीन अलग-अलग कमरे हैं जो सरकारी जमीन पर बनाए गए थे और मुठभेड़ की घटना के बाद से बेकार हो गए थे। पुलिस ने कहा, एनआईए की सिफारिशों पर सरकारी भूमि पर इन अवैध संरचनाओं को पुलिस सुरक्षा के तहत राजस्व अधिकारियों ने ध्वस्त कर दिया है।

### विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर लगाया शिविर, दिया परामर्श

**भोपाल, देशबन्धु।** विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मंगलवार को गर्भवती और धात्री महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य की स्क्रीनिंग व परामर्श शिविर लगाया गया।

डॉ.कैलाशनाथ काटजू सिविल अस्पताल में हुए कार्यक्रम में प्रसिद्ध मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. आर एन साहू ने महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी उपायों के बारे में समझाया। डॉ. साहू ने कहा कि महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की जरूरत है। गर्भवती महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखना पूरे परिवार की जवाबदारी है।

# बिहार के बेऊर समेत आठ केंद्रीय जेलों में नियुक्त होंगे मनोचिकित्सक

**पटना, देशबन्धु।** बिहार की जेलों में बंद मानसिक बीमार कैदियों को अब इलाज की सुविधा मिलेगी। प्रदेश के सेंट्रल जेलों में मनोचिकित्सक की बहाली के प्रस्ताव को मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में मंजूरी मिल गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 14 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

बैठक के बाद इसकी जानकारी देते हुए मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रदेश के सभी आठ सेंट्रल जेलों में मानसिक बीमार कैदियों के इलाज के लिए मनोचिकित्सकों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

सभी जेलों में संविदा के आधार पर एक-एक मनोचिकित्सकों की बहाली की जाएगी। डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि आजीवन कारावास और फांसी की सजा पाए बंदियों में लंबे समय तक जेल में रहने के कारण आत्महत्या जैसी प्रवृत्ति उत्पन्न हो जाती है। साथ ही जीवन के प्रति निराशा के कारण इनमें मानसिक रोग अधिक पाया जाता है, जिसके इलाज के लिए क्लिनिकल मनोचिकित्सक की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने बताया कि इस परिस्थिति में कारा चिकित्सा सेवा को सुदृढ़ करने एवं मानसिक रोग से ग्रसित बंदियों को विशेष चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए राज्य के सभी आठ केंद्रीय काराओं में संविदा के आधार पर एक-एक क्लिनिकल मनोचिकित्सक का पद सृजित करने का निर्णय लिया गया है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि जिन आठ केंद्रीय काराओं में क्लिनिकल मनोचिकित्सक की नियुक्ति की जाएगी उनमें आदर्श केंद्रीय कारा बेऊर, पटना, गया केंद्रीय कारा, बक्सर केंद्रीय कारा, पूर्णिया केंद्रीय कारा, मोतिहारी केंद्रीय कारा, विशेष केंद्रीय कारा भागलपुर, केंद्रीय कारा भागलपुर और खुदीराम बोस केंद्रीय कारा मुजफ्फरपुर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) और व्यापार मंडलों को सीएमआर चावल की शत-प्रतिशत आपूर्ति पर मिलने वाले अनुदान की राशि को 10 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 30 रुपए प्रति क्विंटल तक कर दिया है।

उन्होंने बताया कि अब तक पैक्स और व्यापार मंडलों द्वारा सीएमआर चावल की आपूर्ति के आधार पर प्रबंधकीय अनुदान 10 रुपए प्रति क्विंटल की दर से मिलता था। लेकिन, अब सरकार ने इस अनुदान को प्रोत्साहन स्वरूप तीन श्रेणी में बांटकर देने का निर्णय लिया है। खरीफ विपणन मौसम 2022-23 से 30 जून तक सीएमआर चावल की शत-प्रतिशत आपूर्ति करने वाले पैक्स और व्यापार मंडलों को 10 रुपए प्रति क्विंटल की बजाय 30 रुपए प्रति क्विंटल की दर से अनुदान दिया जाएगा। जबकि, 31 जुलाई तक शत-प्रतिशत चावल की आपूर्ति करने वाले को 25 रुपए प्रति क्विंटल और इसके बाद शत-प्रतिशत चावल की आपूर्ति करने वाले को 20 रुपए प्रति क्विंटल की दर से अनुदान दिया जाएगा। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में यहां हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में बताया कि राजपुर के तत्कालीन अंचलाधिकारी एवं वर्तमान में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत राकेश कुमार को निगरानी विभाग की टीम ने 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया था। सिद्धार्थ ने बताया कि सरकार ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर अमल करते हुए सरकारी पद का दुरुपयोग एवं अपने भ्रष्ट आचरण से कदाचारयुक्त काम के गंभीर आरोपों के तहत राकेश कुमार को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही वह भविष्य में बिहार सरकार की किसी भी सेवा में नौकरी करने के पात्र नहीं रहेंगे। अपर मुख्य सचिव ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गए अन्य निर्णयों के बारे में बताया कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तहत जिला स्तरीय राजस्व कर्मिचारियों की भर्ती एवं अन्य सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए बिहार राजस्व कर्मचारी संवर्ग नियमावली, 2011 गठित है। इसमें अन्य सेवा संवर्गों के सरकारी सेवकों से संबंधित नियमावली के अनुरूप विभागीय परीक्षा, हिंदी टिप्पणी प्रारूपण परीक्षा, कम्प्यूटर जांच परीक्षा एवं अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति के प्रावधानों में एकरूपता लाने के लिए बिहार राजस्व कर्मचारी संवर्ग (संशोधन) नियमावली-2023 के गठन की स्वीकृति दी गई है। डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि निर्वाचन कार्य के दौरान किसी चुनावकर्मी और सुरक्षाकर्मी की मृत्यु या स्थाई अपंगता की स्थिति में दिये जाने वाले मुआवजा से संबंधित निर्वाचन आयोग, नयी दिल्ली को बिहार सरकार ने अंगीकृत करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इसके तहत अब यदि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव के दौरान भी किसी चुनावकर्मी और सुरक्षाकर्मी की मृत्यु या स्थाई अपंगता की स्थिति बनती है तो मुआवजा दिया जाएगा। इससे पहले इन दो पदों का निर्वाचन इसमें शामिल नहीं था। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि सरकार ने जल संसाधान विभाग के कुल सात सिंचाई अचल पदाधिकारियों का बिहार राजस्व सेवा की मूल कोटि के पद राजस्व अधिकारी एवं समकक्ष ग्रेड में सेवा समायोजन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है।

### विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत बैंकर्स की बैठक आयोजित

# संदेहास्पद लेन-देन की रिपोर्ट डीईओ कार्यालय को भेजी जाए प्रतिदिन: धुर्वे

**टीकमगढ़, देशबन्धु।** विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवीत कुमार धुर्वे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के बैंकर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन के दौरान बैंक से लेन-देन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में पीपीटी के माध्यम से बैंकर्स को बताया गया कि बैंको से नकद निकासी तथा संदेह जनक लेन-देन के संबंध में निर्वाचन अधिसूचना जारी होने के उपरांत बैंको से सूचना प्राप्त करना है। बैंको द्वारा संदेहास्पद लेन-देन की रिपोर्ट डीईओ कार्यालय में प्रतिदिन दी जाएगी, जिसमें असामान्य तथा संदेहास्पद नकद निकासी या निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान एक लाख से अधिक की राशि बैंक में जमा करवाना, जबकि पिछले 2 महीने के दौरान इस प्रकार की जमा व निकासी नहीं की गई हो, निर्वाचन क्षेत्र में एक ही खाते से कई व्यक्तियों के खाते में आरटीजीएस द्वारा राशि का असामान्य स्थानान्तरण, बैंको से नकद निकासी तथा संदेह जनक लेन-देन के संबंध में, अभ्यर्थी द्वारा शपथ में दिए गए परिजनों के खातो से एक लाख से अधिक की नगदी की जमा या निकासी, राजनीतिक दलों के खाते में एक लाख से अधिक की जमा या नगदी की निकासी, अन्य कोई नगदी का संदेहास्पद लेन-देन जिसका निर्वाचकों को रिश्वत देने में प्रयोग किया जा सकता है। बैठक में बताया गया कि यदि बैंको से 10 लाख से उपर की नगदी निकासी का मामला सामने आता है तो डीईओ ऐसे मामले अन्वेषण हेतु आयकर विभाग के नोडल अधिकारी को भेजेंगे। बैंक यह सुनिश्चित करेंगे कि बाह्य स्त्रोत एजेंसियों/कंपनियों से प्राप्त नकदी ले जाने वाली गाड़ियां किसी भी परिस्थिति में बैंक की नकदी के अतिरिक्त किसी अन्य पक्ष की नकदी नहीं ले जायेंगी। इस प्रयोजनार्थ, बाह्य स्त्रोत एजेंसी/कंपनी के पास बैंकों द्वारा जारी पत्र/दस्तावेज इत्यादि होने चाहिए, जिसमें उन्हें बैंकों द्वारा दी गई नकदी, जिसे वे एटीएम मशीनों में भरेंगे और अन्य शाखाओं, बैंकों या करेंसी पेटी में रखने के लिये ले जायेंगे, का उल्लेख होगा। एटीएम वाहनों आदि द्वारा नकदी के परिवहन के लिये मानक प्रचालन प्रक्रिया, बाह्य स्त्रोत एजेंसियों/कंपनियों के कार्मिक जो नकदी ले जाने वाली गाड़ी के साथ जायेंगे, संबंधित एजेंसियों द्वारा जारी पहचान पत्र अपने साथ रखेंगे। उपर्युक्त प्रक्रिया इस कारण से निर्दिष्ट की गई है कि निर्वाचन की अवधि के दौरान निर्वाचन आयोग के प्राधिकृत कर्मचारी (जिला निर्वाचन अधिकारी या अन्य कोई प्राधिकृत कर्मचारी) बाह्य स्त्रोत एजेंसी/कंपनी से प्राप्त नकदी ले जाने वाली गाड़ी को निरीक्षण के लिए रोकते हैं तो वह एजेंसी/कंपनी दस्तावेजों तथा मुद्रा के प्रत्यक्ष निरीक्षण द्वारा यह स्पष्ट कर सकने की स्थिति में होनी चाहिए कि उन्होंने वह नकदी बैकों के एटीएम को नकदी से भरने या बैकों की कुछ अन्य शाखाओं या मुद्रा पेटी में नकदी पहुंचाने के लिये बैंक के अनुदेशों पर नकदी ले जा रहे हैं। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती दीपाश्री गुप्ता सहित जिले के विभिन्न बैंको के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## जनपद पंचायत सीईओ ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

**बल्देवगढ़।, देशबन्धु।** कलेक्टर अवधेश शर्मा के निर्देश पर जनपद पंचायत सीईओ प्रभास राज घनघोरिया ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत देवीनगर, जिनागढ़, हीरापुर नजदीक, सरकनपुर, सिजोरा और बनयानी के स्कूल में बनाए गए मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। श्री घनघोरिया ने रैंप, बिजली, पानी, शौचालय, फर्नीचर का जायजा लिया और निर्धारित समय सीमा के भीतर दुरुस्त करने ग्राम पंचायत के अधिकारियों को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सरकनपुर मतदान केंद्र के बाहर कीचड़ को देख ग्राम पंचायत के अधिकारियों को फटकार लगाई और मौके पर खड़े होकर सफाई का काम शुरू कराया। इस दौरान उपयंत्री विक्रांत चौबे मौजूद रहे।

## कुंडेश्वर निवासी बेटी के पिता ने प्रधानमंत्री से सुरक्षित वापिस लाने के लिए की अपील

# इजराइल और हमास की जंग में फसी स्वाति

**टीकमगढ़, देशबन्धु।** इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध के बीच यहां पर देश के कई लोग फस कर रह गए है। इनमें टीकमगढ़ के शिवधाम निवासी राजेंद्र सिरौठिया की बेटी भी शामिल है। बेटी के इजराइल में फसे होने से वह परेशान है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपनी बेटी को सकुशल वापस लाने की अपील की है। शिवधाम कुण्डेश्वर निवासी राजेंद्र सिरौठिया ने बताया कि उनकी बेटी स्वाति कृषि से एमएससी करने इजराइल गई हुई थी। इजराइल गर्वमेंट द्वारा उसका चयन किया गया था। वह नवंबर 2019 में इजराइल गई थी और इसी साल अक्टूबर में उसकी डिग्री कंप्लीट होनी थी। 30 अक्टूबर को उसका भारत वापसी का वीजा था, लेकिन अचानक से इजराइल और हमास के बीच जंग छिड़ गई। ऐसे में स्वाति इजराइल में फस कर रह गई है। उनका कहना है कि वहां पर स्थिति बहुत खराब है। कल मंगलवार को ही उनकी स्वाति से अंतिम बार बात हुई थी। राजेंद्र सिरौठिया ने बताया कि वहां पर उनकी बेटी हॉस्टल में है। बेटी ने उन्हें बताया कि जैसे ही बमबारी या अन्य कोई खतरा होता है तो हॉस्टल द्वारा डेढ़ मिनिट पहले अलार्म बजा दिया जाता है। ऐसे में वह फिर से बंकर में चले जाते है। उनका कहना था कि वहां पर अधिकांश समय बंकर में ही बिताना पड़ता है, बाहर जाने की तो बिलकुल ही मनाही है। स्वाति ने अपने पिता को बताया है कि वहां पर कई छात्र फसे है और बहुत परेशानी हो रही है। सिरौठिया ने बताया कि स्वाति पिछले वर्ष अक्टूबर 2022 में घर आई थी। अभी वहां पर उसकी थीसिस चल रही थी और उसकी डिग्री पूरी होने पर उसे वापस आना था। वहां पर युद्ध छिड़ जाने से अचानक से हालात बदल गए है और स्वाति वहीं पर फस गई है। अपनी बेटी को सकुशल वापस लाने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री से लेकर सभी से अपील की है। वह बेटी को लेकर खासे परेशान है।

## कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान केन्द्रों और जिले की सीमा का किया निरीक्षण

**टीकमगढ़, देशबन्धु।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवधेश शर्मा तथा पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना बुड़ेरा अंतर्गत बुड़ेरा, ग्राम लार, बड़माड़ई, रामनगर, दरगुवां, रसोई, दरी, लक्ष्मणपुर के संवेदनशील मतदान केंद्रों भ्रमण कर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। इसके साथ ही खिरिया नाका पर स्थित मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश बॉर्डर का निरीक्षण किया। इसके साथ ही कलेक्टर श्री शर्मा ने मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान केन्द्रों पर बुनयादी सुविधायें जैसे रैम्प्स, बिजली, पानी, छाया, भवन की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

## नाबालिग को भगा ले जाने वाले को 7 वर्ष का कठोर कारावास

**टीकमगढ़, देशबन्धु।** थाना बमोरीकलां अंतर्गत दिनांक 10/07/2020 को फरियादी की नाबालिग पुत्री को आरोपी अनिल कुशवाहा तनय सुकई कुशवाहा उम्र 20 साल निवासी बाबई थाना बमोरीकलां बहला फुसलाकर भगा ले गया था। जिस पर थाना बमोरीकलां में धारा 366 ताहि का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। उक्त अपराध की विवेचना सहायक उप निरीक्षक रतिराम कोंदर द्वारा की गई। मामले का विचारण माननीय अपर सत्र न्यायालय जतारा श्री एमडी रजक के यहां किया गया। उक्त मामले की पैरवी शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक रतन सिंह ठाकुर द्वारा की गई। मामले के आरोपी अनिल कुशवाहा को माननीय न्यायालय द्वारा दोषी पाए जाने पर धारा 366 ताहि में 7 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5 हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया गया।

## जिला अस्पताल में गुटखा खाने वाले 17 लोगों पर चालानी कार्यवाई

**टीकमगढ़, देशबन्धु।** जिला अस्पताल परिसर में अस्पताल प्रबंधन ने गुटखा खाने वाले 17 लोगों पर जुर्माने की कार्यवाही करके 850 रुपए वसूले गये। जिला अस्पताल में मरीजों के साथ उनके अटेंडर भी जिला अस्पताल में मौजूद रहते हैं। अधिकांश लोग मुंह में गुटखा चबाकर अस्पताल की दीवारों पर गुटखा थूकते हुए नजर आते हैं। इसी के चलते अस्पताल प्रबंधन द्वारा सख्ती से बार्ड एवं अस्पताल के गेट पर गार्ड के द्वारा रेगुलर चेकिंग की जा रही है। रात्रि में भी गार्ड की टीम द्वारा गस्त की जाती है एवं गुटखा नशीले पदार्थों को चेक किया जाता है। जिसका नतीजा आज टीम के द्वारा बॉर्ड में चेकिंग की गई तो काफी कम संख्या में लोग गुटखा खाते हुए पाये गये। जो लोग गुटखा तंबाकू खाते हुए पाये गये उन लोगो पर अस्पताल प्रबंधन की ओर से चालानी कार्रवाई की गई। बुधवार को 17 लोगों के ऊपर चालानी करवाई की गई। कार्यवाही के दौरान आरएमओ डॉ. डीएस भदोरिया, मैनेजर श्रीमती डॉ. अंकुर साहू, डॉ. वरदुत्त जैन, सिक्योरिटी गार्ड इंचार्ज सद्दाम खान और गार्ड शैलेंद्र, विशाल, विवेक मौजूद रहे।

### बीमारियों के प्रति जागरूकता के संबंध में कार्यशाला आयोजित

# मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुन्या आदि बीमारियों से बचने के लिए सावधानी आवश्यक: पाराशर

**टीकमगढ़, देशबन्धु।** जिला मलेरिया अधिकारी कार्यालय में राय नर्सिंग कॉलेज टीकमगढ़ के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कॉलेज के 80 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा उत्साह पूर्वक भाग लिया गया। चूंकि डेंगू बीमारी के शहर में लगभग 8 प्रकरण पंजीकृत हो चुके है। इनके अतिरिक्त कुछ प्रकरण कार्ड टेस्ट के भी प्रकाश में आये है। इन्हे ध्यान में रखकर कार्याशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में गैम्बूसिया मछली का भी प्रदर्शन किया गया। यह मछली मच्छर के लार्वा को खाने में सक्षम है, जिससे वैक्टर जनित बीमारियों के नियंत्रण में मदद मिलती है। मलेरिया कार्यालय में यह सेवा निशुल्क उपलब्ध है। जिले में एक योजना बनाकर जल स्त्रोतों में गैम्बूसिया मछली का संचयन किया जा रहा है। प्रो. नीरज पारासर राय नर्सिंग कॉलेज द्वारा बताया गया कि वास्तव में डेंगू बुखार में केवल 7 दिन तक की सावधानी रखने की आवश्यकता है। बुखार आने के 7 दिन तक प्लेटलेट्स गिरती जाती है और तत्पश्चात् स्वत: बढ़ने लगती है। इस

दशा में दर्द निवारक का उपयोग नही करना चाहिए और मच्छरदानी का उपयोग जरूरी है। ठंड लगने के साथ तेज बुखार आने पर तुरंत अस्पताल/स्वास्थ्य कार्यकर्ता सें सम्पर्क करें। डॉक्टर की परामर्श से दवा लें, शरीर पर लाल चकते, तेज बुखार, ऑखे घुमाने में दर्द होने पर अस्पताल में खून की जॉच करावें और प्लेट्लेट्स कम आने पर जिला अस्पताल में डेंगू की निशुल्क एलाइजा जॉच के लिए तत्काल सम्पर्क करें। डीएमओ एच.एम रावत द्वारा बताया गया कि प्राय: रूक-रूक कर वर्षांत होने से और जगह-जगह जल का भराव होने से मच्छरों के उत्पत्ति स्थल भी बढ़ जाते है, जिससे मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुन्या, जीका बुखार, फाइलेरिया, जापानी दिमागी बुखार जैसे रोग बढ़ने की संभावना अधिक हो जाती है। इनसे बचाव के लिए अपने घर के आस-पास जल का भराव न होने दें। पानी के बर्तन, टंकी, आदि ढककर रखे। पशुओं, पक्षियों को पानी पिलाने वाले बर्तन, गमलों के पानी, फव्वारों के पानी, कूलर आदि के पानी प्रति सप्ताह खाली कर पुन: भरें। ऐसा करने से मच्छर के लार्वा पैदा नहीं होगे। साथ ही मिट्टी के तेल, जला हुआ तेल आदि माह में एक बार पानी से भरें गड्ढों नालियों में डाले। हैण्डपंप के आस पास भरें जल की निकास बनावें। दरवाजों पर मच्छर रोधक जाली लगावे। शाम को नीम की पत्ति का धुऑ मच्छर क्वाइल आदि के साथ सोते समय मच्छर दानी का प्रयोग अवश्य करें और दिन में पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, क्योंकि विशेष रूप से डेंगू बुखार फैलाने वाले ऐडीज मच्छर दिन के समय ही काटते है।

### व्यापार संघ ने एसपी सहित एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

## तिरुपति ट्रेडिंग, बजरंग ट्रेडर्स एवं महक ट्रेडिंग के मालिकों पर धोखाधड़ी का आरोप

**टीकमगढ़, देशबन्धु।** व्यापार संघ द्वारा टीकमगढ़ एसडीएम व पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी को ज्ञापन सौंप कर बताया गया है कि कृषि उपज मण्डी समिति में जमुना असाटी एवं विष्णु असाटी पुत्र रमेश असाटी के लाइसेंस तिरूपति ट्रेडिंग एवं बजरंग ट्रेडर्स एवं महक ट्रेडिंग कपनी के नाम से थे जो कि गल्ला दलहन, तिलहन व्यापार संघ द्वारा गारंटी स्वरूप थे। इन दोनो भाइयो के द्वारा व्यापार में अनियमित्ता एवं व्यापारियों के साथ धोखा-धड़ी, व्यापारी के पैसे गबन जैसे कृत्य व्यापार संघ एवं व्यापारियों के सामने आये। कई बार व्यापार संघ ने इन्हें बुलाकर समझाइस दी एवं निपटारा आपसी व्यवहार से कराया लेकिन इनकी हरकते बड़ी एवं दूसरे प्रदेशों के व्यापारियों के साथ भी धोखा-धड़ी करने पर इन्हें व्यापार संघ से निस्कासित करके मंडी समिति को सूचित किया गया। मंडी समिति द्धारा लेन देन कर इन लोगों का डायरेक्ट लाईसेंस बना दिया गया। दोबारा लाइसेंस बनने के बाद इन लोगों ने एक व्यापारी को अपना शिकार बनाया और जब उस व्यापारी ने अपना पैसा मांगा तो उसको गाली-गलोच करके धमकाया और उस पर झूठा मुकदमा बनाने की फिराक में है। साथ ही बताया गया है कि व्यापार संघ द्वारा लाइसेंस निरस्त किया गया था इसलिये जमुना असाटी द्वारा व्यापारियों और पदाधिकारियों के ऊपर झूठा प्रकरण दर्ज कराकर दबाव बनाना चाहता है। उक्त व्यापारी के खिलाफ करोंडो रूपये के घोटाले की एफआईआर गाजियाबाद में व्यापारियों द्वारा दर्ज करई गई है। टीकमगढ़ आईसीआई बैक खाते में भी रोक लगी हुई है। ये व्यापारी किसी भी समय बहुत घोटाला करके टीकमगढ़ मंडी को बदनाम कर सकते है। आज कृषि उपज मंडी समिति टीकमगढ़ ए ग्रेड की उच्च श्रेणी की मंडी है। इसे बदनाम होने से बचाने के लिए इन व्यापारियों को मण्डी से बाहर करने की मांग की हैं। उचित कार्रवाई न होने पर अनिश्चितकालीन मंडी बंद करने की चेतावनी भी दी है। ज्ञापन देने के दौरान अध्यक्ष राजेश साहू, महामंत्री संजय सोनी, विकास चौधरी, संजय लोहिया, अनूप सतभैया, निर्भय जैन, राकेश साहू, बिट्टू सौरभ नायक, आशीष साहू, अभिषेक नायक, विकास चौधरी, सागर नायक, देवेंद्र यादव, राजीव मोगना, संजय मड़ावरा, प्रिंस साहू, संजय मोदी, छोटू बड़ागांव, रानू बजाज, नितेश साहू, रामसेवक साहू मौजूद रहे।

### भाजपा महिला मोर्चा की बैठक आयोजित

# भाजपा सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा व अधिकार के लिए उठाए स्वर्णिम कदम: माया

**टीकमगढ़, देशबन्धु।** भारतीय जनता महिला मोर्चा द्वारा स्थानीय भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष माया निरोलिया उपस्थित रहीं। प्रदेश अध्यक्ष माया निरोलिया ने सर्वप्रथम कुंडेश्वर महादेव के दर्शन किए तथा टीकमगढ़ वासियों के स्वस्थ समाज के लिए प्रार्थना की गई। इसके पश्चात भाजपा कार्यालय पहुंचकर महिला मोर्चा की बैठक में भाग लिया। भाजपा कार्यालय में हुई बैठक में महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि महिलाओं के हित में भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठायें है। सर्वप्रथम लाड़ली लक्ष्मी योजना से जन्म से लेकर शिक्षा व शादी तक आर्थिक रूप से मदद मिली तो वहीं लाड़ली बहना योजना से सीधे तौर पर खातों में राशि आने से अब आत्मनिर्भर बनकर सम्मानजनक जीवन यापन करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। लाडली बहना आवास योजना से स्वंय की घर की छत आज भाजपा सरकार में नसीब हुई है। रसोई गैस योजना व उज्जवला योजना से कम दरों पर सिलेंडर मिलना सुनिश्चित हुआ व धुएं से होने वाली बीमारी से भी निजात मिल सकी। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष विभा श्रीवास्तव ने बताया कि भाजपा सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा व उनके अधिकार के लिए स्वर्णिम कदम उठाएं है। नारी वंदन अधिनियम जैसी योजनाओं से महिलाएं सशक्त बनेगी और राजनीतिक क्षेत्र में भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी। इस बैठक में आगामी चुनाव

को लेकर बहनों को मार्गदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया, पूर्व जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा सुशीला राजपूत, भाजपा जिला मंत्री श्रीमती पूनम अग्रवाल, श्रीमती पुष्पा यादव, जनपद सदस्य माया राजपूत, नगर मंडल अध्यक्ष संध्या सोनी, महिला मोर्चा जिला महामंत्री पूनम परमार, उपाध्यक्ष रीना श्रीवास्तव, मीरा खरे, ऊषा प्रजापति, रजनी रावत, मनीषा नायक, रितु समारी, इंद्रा यादव, सविता रैकवार, नेहा अवस्थी, पूजा सिंह, अलका खरे सहित महिला मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

# हाकर्स जोन में लगी आग से नुकसान का विधायक ने किया निरीक्षण

**दमोह देशबन्धु।** कचौरा शापिंग सेन्टर में मंगलवार की रात अचानक लगी आग से लाखो के फ्रूट हाथ ठेले अन्य सामग्री खाक हो गई थी। घटना की जानकारी लगने पर विधायक अजय टंडन ने हाकर्स जोन के व्यापारियो के साथ पूरे स्थल का निरीक्षण करते हुए कहा कि वर्तमान में आचार संहिता की बाध्यता है अन्यथा वह हरसंभव मदद करते किन्तु फ्रूट मंडी के व्यापारियो का जितना भी नुकसान हुआ है वह प्रशासन से आग्रह करेंगे कि अधिक से अधिक और जल्द भरपाई हो सके। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रतनचंद जैन ने कहा कि घटना निंदनीय है वर्तमान नवदुर्गा पर्व लगने वाला है और ऐसे समय में व्यापारी अधिक फ्रूट मंगाकर स्टाक रखते है हाथ ठेलो पर फ्रूट रखकर फ्रूट विक्रेता फ्रूट बेचते है किन्तु उनके ठेलो के साथ केरट भी जल गये वह भी प्रशासन से व्यक्तिगत मिलकर प्रशासन से उनके नुकसान का मुआवजा दिलवायेगे। इस अवसर पर सतीश जैन, विक्रम ठाकुर, प्रफुल्ल श्रीवास्वत, अमर सिंह, पप्पू कसोटिया, अनिल जैन, दीपक राजपूत सहित फ्रूट मंडी के व्यापारियों की उपस्थिति रही।

# नवागत थाना प्रभारी ने ली शांति समिति की बैठक

**दमोह देशबन्धु।** आगामी नवरात्रि, दशहरा के पावन पर्व एवं विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए थाना परिसर में नवागत थाना प्रभारी विजय कुमार अहिरवार द्वारा शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में तहसीलदार विवेक व्यास व मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामेश्वर पटेल की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में आगामी दुर्गा उत्सव पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने व आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने के लिए जानकारी दी गई। उपस्थित समिति पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा भी दुर्गा उत्सव पर्व को लेकर सुझाव पुलिस प्रशासन को दिए। बताया कि दुर्गोत्सव पर्व में नगर में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था, ग्राम पंचायत द्वारा साफसफाई की व्यवस्था की जावे। बैठक में बिजली विभाग से अभियंता महतो ,सरपंच शिवलाल धुर्वे,रविशंकर बाजपई, मोंटू बाजपई, एसआई आर एस रिछारिया,राजेश सिंघई,संतोष तिवारी ,संतोष शर्मा,राजेंद्र जैन,मयंक जैन,राजा जैन, गोविंद तिवारी ,अजय तिवारी अनरत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों को उपस्थिति रही।

पवई में मचा घमासान, कांग्रेस की सूची जारी न होने से कयासों का दौर जारी

# भाजपा ने पन्ना और गुनौर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी किए घोषित

**पन्ना, देशबन्धु।** जहां एक ओर निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव की तारीखे घोषित कर दी है, तथा प्रशासन द्वारा सभी प्रकार की तैयारीयां एवं कार्यवाहीयां प्रारंभ कर दी है, वहीं दूसरी ओर राजनेतिक दलो के द्वारा अभी तक सभी सीटो पर प्रत्याशी घोषित नही किये गये हैं। सूची घोषित करने मे भाजपा आंगे दिख रही है, भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले की तीन विधानसभा सीटो में दो विधानसभा सीटो पर प्रत्याशी घोषित कर दिये गये है। जिसमे पन्ना विधानसभा से बृजेन्द्र प्रताप सिंह को प्रत्याशी बनाया गया है तथा गुनौर विधानसभा से राजेश वर्मा को भाजपा ने लगभग एक माह पूर्व ही प्रत्याशी घोषित कर दिया गया था। लेकिन अभी जिले की सबसे चर्चित एवं बडी विधानसभा सीट पवई के लिए प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है। पवई में अनेक दावेदार टिकिट की मांग कर रहे है। लेकिन जब तक अधिकृत प्रत्याशी घोषित नही किया जायेगा, तब तक लगातार कायासो का दौर चलता रहेगा। पन्ना विधानसभा क्षेत्र से समान्य वर्ग से बृजेन्द्र प्रताप सिंह को प्रत्याशी घोषित होने से पवई में अधिकांश संभावना पिछडा वर्ग से प्रत्याशी चयन होने की अनुमान लगाया जा रहा है। जिसमे वर्तमान विधायक प्रहलाद लोधी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रवीराज यादव तथा ध्रुव लोधी का नाम लिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष संजय नगायच भी टिकिट की प्रबल दावेदारी कर रहे है। लेकिन निर्णय पार्टी की शीर्ष नेत्रत्व को लेना है तथा जिताउ प्रत्याशी को टिकिट देने के संबंध में लगातार सर्वे एवं अन्य माध्यमो से आकडे तैयार किये जा रहें है। जो भी टिकिट के लिए फिट बैठेगा पार्टी उसे टिकिट दे सकती है, वर्तमान समय में टिकिट की मांग करने वाले भोपाल से लेकर दिल्ली तक नेताओं की परिक्रमाओं में लगे हुए है। इसी प्रकार कांग्रेस पार्टी द्वारा अभी तक प्रदेश में एक भी टिकिट की घोषणा नही की है। मानना है कि पुर्खो के दिन समाप्त होने के बाद 15 अक्टूबर को कांग्रेस की पहली सूची आने की संभावना जताई जा रही है। पवई विधानसभा क्षेत्र से आधा दर्जन से अधिक नाम पार्टी प्रत्याशी के लिए लिये जा रहे है। लेकिन सबसे प्रबल दावेदारी रिटायर्ड एसडीओ जवाहरलाल कुशवाहा द्वारा की जा रही है तथा उनके द्वारा लगातार क्षेत्र का भ्रमण भी किया जा रहा है। जबकी दूसरी ओर मुकेश नायक भी प्रबल दावेदार माने जा रहे है। स्थानीय दावेदारो द्वारा संघर्ष समिति बनाकर मुकेश नायक का जमकर विरोध भी किया जा रहा है तथा बाहरी प्रत्याशी को टिकिट न देने की मांग की जा रही है। पूर्व में जन आक्रोश यात्रा पर आये वरिष्ठ नेता अरूण यादव के समक्ष भी क्षेत्रीय संघर्ष समिति के लोगो द्वारा भारी विरोध किया गया था। लेकिन यह भी चर्चा है कि क्षेत्र में आम जनता मुकेश नायक के विरोध में नहीं है। सिर्फ टिकिट के दावेदार ही विरोध कर रहें है। मुकेश नायक के अलावा जो अन्य दावेदारो के नाम है उनमें पूर्व मंत्री राजा पटैरिया, अनिल तिवारी, अरूण पाल सिंह, रावेन्द्र सिंह मुन्ना राजा, जनपद अध्यक्ष शाहनगर आशीष खरे दावेदारी कर रहे है इन सब मे शसक्त दावेदार के रूप में जनपद अध्यक्ष शाहनगर आशीष खरे का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। यदि मुकेश नायक की टिकिट काटी जाती है तो आशीष खरे प्रत्याशी बनाये जा सकते है। इसी प्रकार पन्ना विधानसभा में भी कांग्रेस पार्टी में आधा दर्जन से अधिक दावेदार है जिसमें पूर्व विधायक श्रीकांत दुबे, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिव्यारानी सिंह, श्रीकांत पप्पू दीक्षित, शिवजीत सिंह, भईया राजा, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष शारदा पाठक, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह, उपभोक्ता भंडार के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र शुक्ला, भरत मिलन पान्डेय, वैश्य समाज से मनोज केशरवानी, पिछडा वर्ग से बृजमोहन यादव, राम प्रसाद यादव के द्वारा भी दावेदारी की जा रही है। लेकिन कांग्रेस पार्टी द्वारा कद्दावर मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह के खिलाफ तगडा एवं डट कर मुकाबला करने वाले प्रत्याशी की दरकार है जो चुनाव में टक्कर ले सके तथा मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह को पराजित करने की छमता रखता हो। आंगे देखना है पार्टी द्वारा किस प्रकार से प्रत्याशी का चयन किया जाता है। इसी प्रकार गुनौर विधानसभा से भी कांग्रेस पार्टी का प्रत्याशी अभी घोषित नही हुआ है गुनौर विधानसभा में अभी आधा दर्जन से अधिक दावेदार टिकिट की मांग कर रहें है। लेकिन पार्टी को जिताउ प्रत्याशी की जरूरत है। वर्तमान में विधायक रहे शिव दयाल बागरी द्वारा क्षेत्र में पकड मजबूत नही रही है, इस लिए उनका क्षेत्र में विरोध देखा जा रहा है तथा आम जनता से लेकर कार्यकर्ता भी प्रत्याशी बदलने की मांग कर रहें है तथा कांग्रेस पार्टी से नये चेहेरे को टिकिट देने की उम्मीद कर रहें है, जो भाजपा प्रत्याशी राजेश वर्मा को हरा सकें। जिन दावेदारो द्वारा टिकिट की मांग की जा रही है। उनमे पूर्व विधायक फुन्दर चौधरी, वर्तमान विधायक शिवदयाल बागरी, पूर्व विधायक महेन्द्र बागरी, केशरी अहिरवार, जीवन लाल सिद्धार्थ, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष हक्कून दहायत, सहित आधा दर्जन से अधिक दावेदारो द्वारा टिकिट की मांग की जा रही है। आंगे देखना है कांग्रेस पार्टी द्वारा गुनौर विधानसभा से किसको अपना प्रत्याशी घोषित किया जाता है।

# स्वीप अभियानः मानव श्रृंखला बनाकर मतदान के लिए किया जागरूक

**दमोह देशबन्धु।** जिला निर्वाचन स्वीप अभियान के तहत शा. नवीन कन्या हाई स्कूल अभाना में विद्यार्थियों ने मनमोहक मानव श्रृंखला बनाकर सबका ध्यान आकर्षित किया। स्वीप के जिला सदस्य और प्राचार्य डॉक्टर आलोक सोनवलकर ने स्टाफ सहित सबको प्रोत्साहित किया एवं सबको मतदान हेतु संकल्प दिलाया। मानव श्रृंखला के दौरान जागरूकता विषय पर, नीलमणि तिवारी, सुशील श्रीवास्तव, नीलम यादव, सी. खरे, सतीश त्रिपाठी, राजेश शुक्ला, रानू तिवारी आदि की सार्थक सहभागिता रही।

## वाहनों की चैंकिग कर चालानी कार्रवाई

**दमोह देशबन्धु।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत जिले में लगातार वाहनों की चैंकिग कर चालानी कार्यवाही की जा रही हैं। इस सबंध में जिला परिवहन अधिकारी क्षितिज सोनी ने बताया वाहनों की चैंकिग की गई। साथ ही 24500 रूपये के चालान भी काटे गये।

## रत्नेश सोनी बने कांग्रेस स्वर्णकला प्रकोष्ठ के जिला ग्रामीण अध्यक्ष

**दमोह देशबन्धु।** मध्यप्रदेश कांग्रेस स्वर्णकला प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष योगेश सराफ की अनुशंसा व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आदरणीय कमलनाथ की सहमति से रत्नेश सोनी को कांग्रेस स्वर्णकला प्रकोष्ठ का दमोह ग्रामीण जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। रत्नेश सोनी की नियुक्ति पर पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष डा लक्ष्मण सिंह, दीपक जैन, राहुल घोषी, कैलाश लोधी, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अर्पित शुक्ला, रामजी सोनी, देवपाल ठाकुर विक्रम सिंह ठाकुर, नीरज जयसवाल ने अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

# मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन

**पन्ना, देशबन्धु।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हरजिंदर सिंह के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ एवं नोडल अधिकारी स्वीप के मार्गदर्शन में पन्ना जिले में निरंतर मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों का उद्देश्य सभी वर्ग के मतदाताओं को विधानसभा चुनाव में अपने अमूल्य वोट का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना है। स्वीप गतिविधियों के आयोजन के क्रम में बुधवार को शासकीय महाविद्यालय पवई में मतदाता शपथ दिलाई गई। शासकीय आरपी उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय में मतदाता जागरूकता पर केन्द्रित स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शासकीय छत्रसाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना में वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी तरह शासकीय महाविद्यालय अजयगढ़ की छात्राओं द्वारा हाथ में आकर्षक मेंहदी के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया, जबकि शासकीय महाविद्यालय गुनौर के छात्र-छात्राओं ने शत-प्रतिशत मतदान का संकल्प लिया। कई शैक्षणिक संस्थाओं और आंगनबाड़ी केन्द्रों में आकर्षक रंगोली बनाकर लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी के लिए जागरूक किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत गुरूवार12 अक्टूबर को पन्ना शहरी परियोजना के वार्ड क्रमांक 05 एवं 19 में जागरूकता गतिविधि आयोजित की जाएगी।

## मिथ्या छाप सामग्री बेचने के आरोप में 3 अनावेदकों पर 40 हजार की शास्ति की अधिरोपित

**दमोह देशबन्धु।** खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी मीना मसराम ने दमोह जिले के तीन अनावेदकों पर मिथ्या छाप सामग्री बेचने के आरोप में 40 हजार रूपये की अर्थदण्ड शास्ति अधिरोपित की है। उन्होंने क्रय की गई सामग्री को अपील अवधि पश्चात विनष्टिकरण किये जाने हेतु आदेश दिये हैं। अपर कलेक्टर मसराम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया द्वारा प्रस्तुत परिवाद पत्र पर कार्यवाही करते हुये अनावेदक संजय आहूजा पिता स्व. सेवाराम आहूजा निवासी सिविल वार्ड नं.-09 द्वारा मिथ्याछाप स्टार चिक्की, हलचल चटपट चूर्ण गोली और शिवा जेम्स के विक्रय करने से दोषसिद्ध होने पर 30 हजार रूपये, अनावेदक प्रकाश यादव पिता भग्गी यादव निवासी मुड़िया तहसील दमोह एवं अनावेदक प्रभु यादव पिता रामेश यादव निवासी पटीशीशपुर तहसील दमोह द्वारा बिना खाद्य रजिस्ट्रेशन के दूध विक्रय करने से दोषसिद्ध होने पर 5-5 हजार रूपये का अर्थदण्ड शास्ति अधिरोपित की है। उन्होंने संबंधितों को आदेशित किया है कि अधिरोपित शस्ति की राशि एमपीऑनलाईन के माध्यम से ऑनलाइन चालान द्वारा शीर्ष 0210-चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य 04 लोक स्वास्थ्य 104 शुल्क एवं दंड आदि 0754 खाद्य एवं औषधि नियंत्रण में जमा कराकर चालान की एक प्रति न्यायालय अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अधिरोपित शास्ति की राशि 15 दिवस में जमा की जाये, नियत समयावधि में राशि जमा नहीं किये जाने पर अधिनियम की धारा 96 के तहत भू राजस्व की बकाया की भांति वसूल की जायेगी।

# वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

**दमोह देशबन्धु।** म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत प्रिंसिपल जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेणुका कंचन के मार्गदर्शन में मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह अंतर्गत वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता कार्यक्रम सह स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न हुआ। शिविर में विशेष न्यायाधीश दमोह शरतचंद्र सक्सेना, जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह अम्बुज पाण्डेय, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, डॉ. चंद्रप्रकाश, डॉ. आरती पटैल, तहमीना मलिक, प्रबंधक वीरेन्द्र असाटी एवं वृद्धजन उपस्थित रहे। विशेष न्यायाधीश शरतचंद्र सक्सेना ने समस्त वृद्धजन को सम्बोधित करते हुये कहा शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य का भी अच्छा होना जरूरी है, हमें अपने मन में सकारात्मक विचार रखना चाहिए तभी हम अवसाद और निराशा का मुकाबला कर सकेंगे। जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह अम्बुज पाण्डेय ने वृद्धजन से उनकी समस्याओ के संबंध में चर्चा की और कहा आज के आयोजित स्वास्थ्य शिविर में आप चिकित्सों को अपनी शारीरिक समस्यायें बताकर उनसे अपना इलाज करवायें और उनके द्वारा दिये गये उपचार का पालन कर स्वस्थ्य रहें। उन्होंने कहा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आकर जानकारी दे सकते हैं। शिविर में जिला चिकित्सालय की टीम के द्वारा 26 वृद्धजनों की जांच कर उन्हें यथोचित दवाईयां वितरित की गई।

# भागवत कथा का 5वां दिनः श्याम सुंदर की ब्रज की लीलाएं सुनाई

**दमोह देशबन्धु।** मुकेश कालोनी में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस पर किशोरी ने श्रद्धालुओं को श्याम सुंदर की ब्रज की लीलाओं की कथा (दशम स्कंध) श्रवण कराई। कथा के मध्य में पितृ पक्ष की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि पितृपक्ष में हमें अपने पितरों को प्रसन्न करने क्या करना चाहिए एवम गऊ माता की महत्ता बतायें पहले भोजन गऊ को खिलाये भोजन करें और बचे हुए भोजन कुत्तों को देने से घर का वास्तु दोष दूर हो जाते हैं। एकादशी व्रत का महत्व बताते हुए कहा कि भगवान को पाने का सबसे प्रिय व्रत है एकादशी व्रत। एकादशी का व्रत सभी वैष्णवों को करना चाहिए। जो लोग भगवान को प्रसन्न कर उन्हें पाना चाहते हैं उन्हें एकादशी का व्रत अवश्य करना चाहिए। उन्होंने भाईयों, पतियों एवं पिताओं के लिए भी खास संदेश दिया ।उन्होंने कहा- शादी के बाद बहन को, बेटी को और भांजी को हमेशा देते रहना चाहिए क्योंकि आप जितना उनको देते रहेंगें, आपका घर उतना ही प्रसन्ना व भरा-पूरा रहेगा। बाल गोपाल जैसे चोरी करने को टीम बनाकर चोरी करतें हैं तो गोपियों ने भी टीम बनाकर हंडीयो में घन्टी बांध देते हैं और जैसे ही भगवान माखन चुरा कर खाते हैं तो घंटी बज जाती है और भगवान पकड़े जाते हैं माता यशोदा के पास ले जाते है यशोदा माता देखतीं हैं तो कृष्ण तो घर में सोये हैं सब चकित हो जाते हैं।श्री कृष्ण की अनेक बाल लीलाओं का वर्णन विस्तार से किया गया कथा के मुख्य यजमान सुशीला गर्ग पुत्र बहु अंशू राकेश मिंटू गर्ग एवं गर्ग परिवार ने पूरे मन से कथा श्रवण की ,गोवर्धन पूजा एवम छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया ।

भाजपा, बसपा ने प्रत्याशी घोषित कर बाजी मारी अन्य पार्टियों के प्रत्याशियों के नाम पर संशय में बरकरार

# नवरात्रि में कांग्रेस प्रत्याशी घोषित होने की संभावना

**दमोह/पथरिया देशबन्धु।** विधानसभा क्षेत्र 54 पथरिया का गठन 1662 में हुआ पहले विधायक स्वतंत्र विधायक रामेश्वर,1967 कांग्रेस के.भाओं सिंह,1972 कांग्रेस गोपालदास,1977 जनता पार्टी जीवनलाल,1980 कांग्रेस आई गोपालदास,1985 कांग्रेस श्यामलाल, 1990 भाजपा मणिशंकर सुमन,1993 कांग्रेस कालूराम खटीक, 1998 भाजपा गणेशराम खटीक, 2003 भाजपा सोना बाई अहिरवार, वही सामान्य सीट होने पर पहले विधायक 2008 भाजपा डा.रामकृष्ण कुसमरिया, 2013 भाजपा लखन पटेल, 2018 बसपा रामबाई सिंह है मतलब करीब 62 वर्षों में 13 विधायक क्षेत्र को मिलें जिसमें गठन होने पर शुरूआत में निर्दलीय से हुई और उसके बाद 2018 में बसपा से वाकि भाजपा कांग्रेस से क्षेत्र में 5-5 बार विधायक चुने भाजपा को लगातार 20 वर्ष मिलें उसके बाद भी क्षेत्र में विकास कार्य की गति में रफ्तार नही मिली जो होना थी वह नही मिल पाई आज भी क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं सड़क,शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार,पानी, पुल निर्माण कार्य समस्याओं का सुलभ साधन नही। वर्ष 2018 विधानसभा चुनाव में 21 उम्मीदवार ने क्षेत्र में अपना भाग्य आजमाया पर जनता ने ऐसा जनादेश दिया कि हर कोई हक्का बक्का रह गया। वही इस वर्ष 17 नवंबर 2023 में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा जिसकी अधिसूचना भी जारी हो गई।

पिछले पंचवर्षीय में बसपा की जीत से अब भाजपा,कांग्रेस,बसपा मुख्य किरदार में नजर आएंगे वही पिछले चुनाव की बात करें तो भाजपा दूसरे व निर्दलीय उम्मीदवार तीसरे पर कांग्रेस चौथे नंबर पर रही जिससे एक बात तो साफहो गई कि अभी तक क्षेत्र में जो जातिगत समीकरण का खेल खेलने की बात करते रहते हैं उनको 2018 में जबाब मिल गया और फिर भी ऐसा ही माहौल बनाया तो इस बार फिर नये समीकरण बनते देर नही लगेगी और फिर आश्चर्यजनक परिणाम जनता दें सकती है क्योंकि अभी यह क्षेत्र जातिगत समीकरण के चलते चर्चाओं में था अब जनता सब जानती है कि अगर चुनाव में ऐसे समीकरण फिर बनें तो परिणाम फिर से हट कर दें सकतें हैं।

वैसे इस बार भाजपा ने अपने प्रत्याशी का नाम घोषित कर प्रचार प्रसार के लिए समय भी पर्याप्त दिया है ताकि जनता के बीच जाकर अपनी बात रख सकें पिछ्ला चुनाव करीब 2205 मतों से पराजित हुए थे तीसरे स्थान पर निर्दलीय व चौथे नंबर कांग्रेस का रहा इस बार पूरी दमखम से प्रचार प्रसार किया जा रहा है भाजपा व बसपा ने प्रत्याशी घोषित कर दिया वैसे जब तक कांग्रेस अपने उम्मीदवार घोषित नही किया तब तक कुछ भी अंदाजा लगाना संभव नहीं दिख रहा है वही कांग्रेस से इस बार उम्मीदवार 3 नाम ऐसे हैं जिनकी तैयारी बहुत दिनों से चल रही है बसपा में वर्तमान विधायक एक बार फिर मैदान में हैं दूसरे दल के जरूर कुछ दांव खेलने की जुगाड़ में लगे हैं कि अगर इस पार्टी से नही तो उससे मिल जाए।

निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में रहेंगे। कुल मिलाकर देखा जाए तो पथरिया सीट एक ऐसी स्थिति में है जहां कौन कब करवट बदल लें कुछ कहा नही जा सकता है। विधानसभा में जातियों का अनुमानित आंकड़े पथरिया विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2018 में कुर्मी समाज की अधिक वोटें हैं। जिनमें कुर्मी 37 हजार, लोधी 32 हजार, अनुसूचित जाति के 40 हजार, कुशवाहा समाज 15-20 हजार वाकि अन्य समाज के मतदाता 1 लाख के आसपास है विधानसभा चुनाव की बात करें तो एक ही चरण में मतदान 17 नवंबर को मतदान होना है। एक बात जरूर है कि इस बार लोगों में उत्सुकता भी है और अपनी बात खुलकर बोल भी रहें कि कैसा माहौल लग रहा है।


**कार्यालय नगर परिषद् कर्रापुर जिला-सागर (म.प्र.)**

E-mail-cmokarrapur@mpurban.gov.in

क्रमांक/न.प./ रा.वि./2023/1092 कर्रापुर, दिनांक 11/10/2023

**// विज्ञप्ति सूचना//**

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, निम्न आवेदकों द्वारा भवन/भूमि पर नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किये गये है, एतएव जिस किसी व्यक्ति को उक्त भवन नामांतरण के संबंध में आपत्ति हो वह विज्ञप्ति के प्रकाशन तिथी से 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति ठोस साक्ष्यों के सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथी के पश्चात एवं बिना ठोस दस्तावेजों के अभाव में प्रस्तुत कि जाने वाली आपत्ति मान्य नही होगी।

| क्र. | वार्ड क्र. | भवन/भूमि | हस्तांतरणकर्ता का नाम एवं पता | जिसके नाम से नामांतरण किया जाना है उसका नाम एवं पता | हक हस्तांतरण का दस्तावेज |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | 06 | भवन | स्व. श्रीमति सुष्मा पति उमाकांत उपाध्याय | उमाकांत पिता रामशंकर उपाध्याय | मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर हस्तांतरण |
| 2. | 04 | भवन | केहर सिंह पिता वीर सिंह राजपूत | महेन्द्र अग्निहोत्री पिता भागीरथ प्रसाद | बेचनामा के आधार पर |

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद कर्रापुर जिला-सागर (म.प्र.)**

# कलेक्टर एसपी पहुंचे बंडा, शाहगढ़ बॉर्डर का किया निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। आगामी विधानसभा निर्वाचन के दृष्टिगत कलेक्टर दीपक आर्य ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी सहित अन्य राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बंडा, शाहगढ़ स्थित जिले के बॉर्डर का निरीक्षण किया। उन्होंने हीरापुर, शाहगढ़ की बॉर्डर एवं अंतर्राज्यीय बॉर्डर गिरार का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षेत्र में पुलिस एवं अन्य अधिकारी तैनात रहें तथा अवैध शराब आदि के संबंध में गाड़ियों की जांच निरंतर करें। कलेक्टर श्री आर्य निर्देश दिए की अंतर्राज्यीय बॉर्डर एवं जिला की बॉर्डर पर अतिरिक्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जावे एवं 24 घंटे राजस्व अधिकारी एवं पुलिस अधिकारी तैनात रहे। उन्होंने कहा की चौकी, चेक पोस्ट पर वेरिफिकेशन कराएं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी निर्देश दिए की अंतर्राज्यीय बॉर्डर एवं जिले की बॉर्डर निगरानी में 24 घंटे रहेगा। भारी वाहन एवं चार पहिया वाहन, दो पहिया वाहन की चेकिंग करें। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों के साथ बंडा एवं शाहगड़ में अंदर बस्ती में राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों के साथ फ्लैग मार्च में शामिल हुए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव उईके, अनुविभागीय अधिकारी संदीप सिंह परिहार, एसडीओपी शिखा सोनी, तहसीलदार ज्ञानचंद राय सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

# कलेक्टर ने देखी निर्वाचन की तैयारियां कक्षों का किया निरीक्षण

**सागर, देशबन्धु।** कलेक्टर दीपक आर्य ने आगामी निर्वाचन की तैयारियों के तहत कलेक्टर कार्यालय में स्थापित किए गए विभिन्न कक्षों का आज निरीक्षण किया। उन्होंने विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत तैयार किए गए एमसीएमसी कक्ष, कंट्रोल रूम, शिकायत कक्ष, कम्युनिकेशन प्लान कक्ष, मतदान दल गठन कक्ष का निरीक्षण किया एवं निर्देश दिए कि सभी कार्य समय सीमा में संपन्न कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी जिस समय के लिए लगी है, वे उस समय उपस्थित हों अन्यथा उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरश: पालन करें और अपना कार्य पूरी ईमानदारी और लगन के साथ करें।

## कैट का संभागीय व्यापरिक सम्मेलन 1 दिसम्बर को

**सागर, देशबन्धु।** कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट सागर संभाग के व्यापारियों का संभागीय सम्मेलन 1 दिसम्बर को सागर में आयोजित किया गया है। गत दिवस जूम मीटिंग आयोजित की गई जिसमें प्रदेश महामत्री कपिल मलैया, जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन मालथोंन जिला महामंत्री अनिमेष शाह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सौरभ जैन, सुरेश प्रसाद होलानी सहित प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, सैन्ट्रल जोन चैयरमैन मुकेश अग्रवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री गोविन्द दास असाटी आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर पन्ना के जिला अध्यक्ष अनूप मोदी, दमोह के जिला अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, टीकमगढ के जिला अध्यक्ष केके अग्रवाल, छतरपुर के जिला महामंत्री मुकेश चौबे सहित प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुनील घुवारा, प्रमोद बजाज, जुगल अग्रवाल, प्रदेश यूथविंग प्रभारी आकाश जैन, कैट की सह संयोजक साधना शाडिल्य, प्रदेश कोषाध्यक्ष मनोज चौरसिया, उज्जैन के जिला अध्यक्ष अवतंश मोदी, शिवपुरी के जिला अध्यक्ष गंगाधर गोयल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। सागर जिलाअध्यक्ष सुरेन्द्र मालथौन ने बताया कि बहुत जल्दी ही जिले में यूथ विंग और महिला विंग का गठन किया जायेगा। व्यापारियों ने ग्वालियर में आयोजित प्रान्तीय अधिवेशन के संबंध में चर्चा की, छह जिले सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ, निवाडी के लिये जिला प्रभारी नियुक्त करने का निर्णय लिया गया और सभी जिलों में यूथविग, महिलाविग बनाने का तय किया। जूम मीटिग में जुगल अग्रवाल ने प्रदेश स्तर पर प्रोफेसनल टैक्स समाप्त करने की बात की। वहीं अन्य पदाधिकारयों ने अपने सुझाव दिये। कैट द्वारा शीघ्र ही वाट्सअप पर व्यापार का कार्यक्रम सागर संभाग के छह जिलों में आयोजित होगा। जिसमें व्यापारियों को वाट्सअप के माध्यम से कैसे व्यापार किया जाय इससे अवगत कराया जायेगा। अभी हाल ही में सबके सुझाव कार्यक्रम में बीजेपी द्वारा राय लेते वक्त सुरेन्द्र मालथौन ने सरकार से अपेक्षा रखी कि जल्द ही मप्र व्यापार कल्याण बोर्ड का गठन किया जावे ताकि व्यापारियों की समस्या का शीघ्र निराकरण हो सके।

## लिव-इन की तैयारियां पूर्ण, अन्वेषण थियेटर ग्रुप द्वारा कल नाटक की प्रस्तुति

**सागर, देशबन्धु।** पश्चिमी देशों के संस्कारों से उपज कर दुनिया के अनेक देशों में फलते-फूलते हुए लिव-इन रिलेशनशिप की संस्कृति भारत देश में भी अपनायी जाने लगी है। इसने पहले महानगरों अन्य नगरों और अब छोटे नगरों, कस्बों, गांवों में भी अपनी जड़ें जमाना शुरू कर दी हैं। भारतीय संस्कृति और समाज में एक तरफ जहां लिव-इन रिलेशनशिप के प्रति नजरिया बहुत सकारात्मक नहीं रहा है वहीं दूसरी तरफ लिव-इन रिलेशनशिप में अपना विश्वास रखने वाले युवा वर्ग का एक समूह तैयार हो चुका है। आज अनेकानेक युवा लिव-इन रिलेशनशिप में रह भी रहे हैं और समय-समय पर श्रद्धा मर्डर कांड जैसी कई दुर्घटनाओं के रूप में उजागर भी हो रहे हैं। कानूनी तौर पर लिव-इन रिलेशनशिप की बात करें तो भारत में इसके लिए कोई कानून तो नहीं है परंतु ऐसे संबंध किसी कानून का उल्लंघन भी नहीं हैं। इसीलिए भारतीय समाज में लिव-इन रिलेशनशिप के प्रति सकारात्मक और नकारात्मक विचारों का भी एक अलग द्वंद है लिव-इन संबंधों का भारतीय समाज और इसकी संस्कृति पर क्या प्रभाव होता है, यह उचित है अथवा अनुचित आदि। नाटक लिव-इन में इसी द्वंद को लेकर एक विमर्श प्रस्तुत किया गया है।

अन्वेषण के कलाकारों द्वारा लिव-इन नाटक का मंचन 13 अक्टूबर 2023 को शाम 7 बजे से स्थानीय रवीन्द्र भवन में किया जाएगा। नाटक के लेखक एवं निर्देशक जगदीश शर्मा हैं। नाटक की रिहर्सल और अन्य तैयारियां अपने अंतिम पड़ाव पर हैं। इस नाटक में अन्वेषण के नए-पुराने अनेक कलाकार मंच पर दिखाई देंगे। जिनमें मुख्य रूप से सुमित दुबे, कपिल नाहर, मनोज सोनी, ज्योति रायकवार, आयुषी चौरसिया, रानी राय, संदीप दीक्षित, दीपक राय, समर पाण्डेय, आस्था बानो, ग्राम्या चौबे, देवेन्द्र सूर्यवंशी आदि शामिल हैं। मंच परे की तैयारी में भी अन्वेषण के अनेकानेक सदस्य परिश्रम कर रहे हैं जिनमें सतीश साहू, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अमजद खान, रवीन्द्र दुबे कक्का, प्रेम जाट, राजीव जाट, अश्वनी साहू, संदीप बोहरे आदि अपने दायित्व निभा रहे हैं। अन्वेषण द्वारा इस ज्वलंत और प्रासंगिक विषय पर प्रस्तुत लिव-इन नामक नाटक को देखने की अपील सागर नगर के सभी दर्शकों से की गई है।

## भागवत कथा का अर्थ भक्ति ज्ञान वैराग्य और तारण: महाराज जी

**सागर, देशबन्धु।** हमारे भारत देश का नाम राजा भरत के नाम पर पड़ा है इंडिया का अर्थ है वह देश जिसे अगस्त में आजादी मिली हो। आजादी हमें भीख में थोड़ी मिली थी भारत देश को आजाद कराने हेतु हमें कितनी कुर्बानी देनी पड़ी कितने मांओ के अपने लाल बहनों के अपने भाई और पत्नियों ने अपने पति खो दिए। यह बात सरस्वती मैरिज गार्डन में चल रही चतुर्थ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथा व्यास श्री गौरदास जी महाराज ने कही। उन्होंने कहा भगतसिंह चंद्रशेखर आजाद रामप्रसाद आदि ने अपना सारा जीवन देश को आजाद कराने हेतु कुर्वान कर दिया। हमारे प्रधानमंत्री लिखते हैं प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत, इंडिया नहीं लिखते। इसलिए भारत को भारत ही रहने दे। कथा को आगे बढ़ते हुए महाराज श्री ने बताया कि हमें ग्रस्तजीवन के सभी काम करते हुए निरंतर भगवान का नाम जप करते रहना चाहिए क्योंकि यदि मरते समय हमारे मन में यह विचार आता है कि हमारे बच्चों का क्या होगा तो हम अगले जन्म में स्वान या सुअर का जन्म मिलेगा।

### अंकुर कॉलोनी में बेटी दिवस पर हुआ कार्यक्रम

## बिखरे हुए मोतियों को एक सूत्र में बांधने की क्षमता सिर्फ बेटियों में ही होती है: मुनिश्री

**मकरोनिया, देशबन्धु।** बेटी एक ऐसा प्रतिभाशाली व्यक्तित्व है, जो बैर वा वैमनस्यता के कारण बिखरे हुए रिश्ते रूपी मोतियों को अपने संस्कार और समर्पण के धागों में पिरोकर एक सूत्र में बांध देती है। यह बात मुनिश्री सुदत्तसागर ने बेटी दिवस के अवसर पर अंकुर कॉलोनी स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कही। मुनि श्री ने कहा बेटियां बेटों की तरह हर कार्य में छूट चाहती हैं ऐसे वह निश्चित ही संस्कारों, संस्कृति परिवार से छूट जाती हैं, अपना वा परिवार का जीवन अंधकार में बना देती हैं। आज पढ़ी लिखी बेटियों को समाज, व्यापार, सर्विस आदि में बहुत संभाल कर रहने की आवश्यकता है क्योंकि जगह-जगह पापी वासना की हवस में डूबे हुए लोगों की भरमार है। झूठे प्रेम जाल, धन संपदा व मायाजाल से वह बहला फुसला कर बेटियों को परेशान करते हैं। संस्कारित बेटियां, बेटों से हमेशा आगे रही हैं इसलिए राम के पहले सीता का और कृष्ण के पहले राधा का नाम लिया जाता है। लोभ के कारण लुट रही हैं बेटियां। क्षुल्लक श्री चंद्र दत्त सागर जी महाराज ने कहा बेटी दो कुलो को संस्कारित करती है, यदि वह मान, मर्यादित और संस्कारित हो तो। बेटियां लिफ्ट और गिफ्ट से दूर रहें। परेशानी से ना घबराए और माता-पिता से हर बात खुलकर कहें। माता-पिता की आज्ञा व सोच विचार कर निर्णय लें। बेटियां व्यसन से दूर रहें। कटे फटे कपड़े न पहनें और दुपट्टा ओढ कर रहे हैं। भारतीय रहन-सहन सभ्यता को अपनाये। बेटी कभी ऐसा कार्य नहीं करना जिससे तुम्हारे माता-पिता को शर्मिंदा होना पड़े। मुनि सेवा समिति सदस्य मनोज जैन लालो ने बताया बालिका दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में बालिकाओं ने मुनि संघ के समक्ष बालिका दिवस पर बेटी सुरक्षा, गर्भपात न करने, भाग कर नहीं, जाग कर शादी करने, आत्महत्या नहीं करने, माता-पिता, धर्म संस्कृति का सम्मान व आज्ञा में रहने की प्रतिज्ञा बेटियों ने ली। कार्यक्रम में बेटीयो ने ही दीप प्रज्वलन, शास्त्र भेंट किए। बेटियों ने आज के समय में देश और समाज मे बेटियों का उत्तरदायित्व विषय पर विचार व्यक्त किये।

## कलेक्टर ने बंडा के खाद वितरण केंद्रों का किया निरीक्षण, पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध

**सागर, देशबन्धु।** कलेक्टर दीपक आर्य ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी सहित अन्य अधिकारियों के साथ बंडा विकासखंड के विभिन्न खाद वितरण केंद्रों का निरीक्षण किया एवं किसान भाइयों से चर्चा की। कलेक्टर श्री आर्य ने कहा कि किसान भाई किसी भी स्थिति में चिंतित ना हों, पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। उन्हें समय पर आसानी से खाद उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर दीपक आर्य ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि कहीं भीड़ बढ़ती है तो उन्हें टोकन दें और किसी भी स्थिति में कानून व्यवस्था न बिगड़ने पाए, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर श्री आर्य ने अपने समकक्ष किसान भाइयों को खाद भी वितरण कराया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव उईके, अनु विभागीय अधिकारी संदीप सिंह परिहार, एसडीओपी शिखा सोनी, तहसीलदार ज्ञानचंद राय सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

## समर्पण व भक्ति से ही ईश्वर प्राप्त होते हैं: चतुर्भुज पांडेय

**सागर, देशबन्धु।** स्थानीय पितृपक्ष पर्व पर पितरों के तारण हेतु श्री भूतेश्वर मंदिर संत रविदास वार्ड में श्रीमद् भागवत कथा में कृष्ण जन्म प्रसंग हुआ। व्यास पीठ से बोलते हुए पंडित चतुर्भुज पांडे ने कहा कि कृष्ण के प्रति अनन्य भक्ति भावना व समर्पण भाव व्यक्त करने से ही ईश्वर की प्राप्ति होती है। यह संसार नश्वर है संसार के प्रति मोह माया अहंकार ईश्या नहीं होना चाहिए। ईश्वर आनंद को प्रदान करते हैं यह जन्म तभी सार्थक है जब हम अच्छे कर्मों को करके संसार से मोक्ष प्राप्त कर ले। संसार में आकर हमें ईश्वर से माया सुख सुविधा समृद्धि आदि नहीं मांगना चाहिए प्रभु से हमें भक्ति शक्ति और मुक्ति मांगना चाहिए। तभी हमारा इस संसार में आना सार्थक व जन्म लेना सफल है। उन्होंने मीरा का उदाहरण देकर समझाया कि मीरा ईश्वर के भक्तों को देखकर प्रसन्न होती है तथा संसार के ईश्वर भक्ति से वंचित अज्ञानी लोगों को देखकर रोती है इस जीवन को सफल व सार्थक बनाने के लिए हमें सदैव ईश्वर की चरण कमल को पकड़ कर उनकी भक्ति करना चाहिए तभी हम संसार रूपी भवसागर से हम पार हो सकते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जनों ने उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ उठाया।

## विधानसभा निर्वाचन के प्रभारी एवं सहायक प्रभारियों का प्रशिक्षण आज

**सागर, देशबन्धु।** विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत 12 अक्टूबर को कम्यूनिकेशन प्लान, कन्ट्रोल रूमए वेब कास्टिंग, सीसी टीबी एवं वीडियोग्राफी के जिला प्रभारी, विधानसभा स्तर के प्रभारी तथा सहायक प्रभारियों का प्रशिक्षण कलेक्टर सभा कक्ष में होगा। प्रशिक्षण अपरान्ह 3 बजे से प्रारंभ होगा। जिले के सभी रिटर्निंग अधिकारियों को विधानसभा स्तर के प्रभारी एवं सहायक प्रभारियों को प्रशिक्षण में नियत समय पर उपस्थिति हेतु उन्हें उपस्थित होने के लिए अवगत कराने को कहा गया है।

# पं. मोतीलाल नेहरू स्कूल को व्यवसायिक काम्प्लेक्स बनाए जाने के विरोध में कांग्रेस ने कलेक्टर को ज्ञापन दिया

**सागर, देशबन्धु।** बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी शहर द्वारा पं. मोतीलाल नेहरू स्कूल को व्यवसायिक काम्प्लेक्स बनाए जाने के विरोध में कलेक्टर को ज्ञापन दिया। सागर के साथ नगर निगम के द्वारा किए जा रहे अन्याय पूर्ण निर्णय के विरोध में व्यवसायिक परिसर बनाए जाने से रोका जाए। आचार संहिता लगने के पश्चात इस पर निर्माण कार्य आरंभ किया गया है, इसका हम विरोध करते हैं। यदि इसे नहीं रोका गया तो हम क्रमश: तीव्र आंदोलन एवं आमरण अनशन के लिए बाध्य होंगे इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन में कहा गया है कि नगर निगम सागर शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को समाप्त करने की लगातार साजिश रच रही है इसी तारतम्य में पं. मोतीलाल नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जो की माध्यमिक शाला शासकीय है एवं हायर सेकेंडरी नगर निगम द्वारा संचालित है इसे समाप्त करने की साजिश नगर निगम द्वारा की जा रही है विगत 30 वर्षों में नगर निगम के अंतर्गत आने वाली सभी स्कूलों को तिल तिल करके मारा है क्योंकि नगर निगम इनकी कमर्शियल उपयोग करने की मंशा रखते हैं यदि नगर निगम चाहती तो सीएम राइस की तर्ज पर म्युनिसिपल स्कूल को आवाद किया जा सकता था। मोतीलाल नेहरू स्कूल मैं व्यवसायिक परिसर बनाने का काम जोकि आचार संहिता लगने के बाद आनन फानन लगाया गया है यह आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। इसपर तत्काल रोक लगाए जाने का अनुरोध है। यह सागर की ऐतिहासिक धरोहर है जिसमें सागर के देव तुल्य पितृ पुरुष डॉ. हरीसिंह गौर एवं मप के प्रथम मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल ने यहां प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की थी। यहां स्वाधीनता का अंतिम आंदोलन भारत छोड़ो, करो या मरो आंदोलन का शंखनाद किया गया था। जिसका नेतृत्व महान स्वाधीनता संग्राम सेनानीगण पं. ज्वाला प्रसाद ज्योतिषी, रामनाथ पुरोहित, पदम नाथ तैलंग, राम नारायण सरवैया, दयाल चंद्र जैन आदि ने किया था। यहां से स्वाधीनता संग्राम की गतिविधियां संचालित की जाती थी। इसी शाला से सागर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं पूर्व विधायक शिवकुमार श्रीवास्तव, पूर्व सांसद दादा डालचंद जैन, पूर्व विधायक मंत्री विट्ठलभाई पटेल, वरिष्ठ पत्रकार भोलाराम भारतीय, भवन भूषण देवलिया, मदन सिंह तोमर, राजेश शास्त्री, राजेश सिरोठिया, पूर्व विधायक अरविंद भाई पटेल, उत्तम चंद्र खटीक, पूर्व महापौर हुकुमचंद चौधरी आदि ने शिक्षा ग्रहण की थी। लगे हुए 6 वार्डों में अन्य कोई खेल मैदान नहीं है, जिससे इस बड़े भूभाग के नोनीहाल बच्चों की भविष्य के लिए समाप्त करना मानवीय तौर पर अन्याय होगा। यह मैदान सड़क वाले लंबरदार महाराष्ट्रीयन ने दान पत्र के द्वारा दिया था, जिसमें जिसमें इसे सिर्फ खेल मैदान के लिए उपयोग करने के लिए दिया गया था, जिसका अन्यत्र कोई उपयोग नहीं किया जा सकता है। महोदय यह दान की मंशा के विपरीत काम है। यहां सागर जिले का एकमात्र सर्वाधिक प्राचीन वॉलीबॉल ग्राउंड है, जो लगभग डेढ़ सौ वर्ष पुराना है, ऊपर वाली बिल्डिंग भी सवा सौ वर्ष से अधिक प्राचीन है। नीचे की बिल्डिंग भी 100 वर्ष से अधिक पूर्व कर चुकी है। इस नाते यह पुरातात्विक धरोहर की श्रेणी में आती है। इस अवसर पर सुदेश जैन, जगदीश यादव, पूर्व विधायक सुनील जैन, आशीष ज्योतिषी, प्रभात जैन, प्रदीप पाण्डेय, शिवराज लड़िया, जितेंद्र चौधरी, महेश अहिरवार, वसीम खान, संजय रैकवार आदि शामिल है।

# भाजपा ने अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया है: यश अग्रवाल

### भाजयुमो ने जिले के विभिन्न मंडलों में नव मतदाता सम्मेलन किया आयोजित

**सागर, देशबन्धु।** भाजयुमो जिलाध्यक्ष यश अग्रवाल के नेतृत्व में नव मतदाता सम्मेलन आयोजित किया। जिसमें नव मतदाताओं का सम्मान करते हुए उन्हें भाजपा की रीति नीतियों से अवगत कराया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया और विशिष्ट अतिथि के तौर पर नरयावाली विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी प्रदीप लारिया मौजूद थे। कार्यक्रम के संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने कहा कि भाजपा देश की ही नहीं पूरे विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। इस संगठन में शामिल कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी है, जो पूरी लगन और मेहनत के साथ संगठन का काम कर रहे हैं। पार्टी की नीति ही अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचने की है। उन्होंने नव मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि आगामी समय विधानसभा चुनाव है ऐसे में आप भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में किए गए विकास कार्यों को देखकर सरकार को चुने। नरयावली विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी प्रदीप लारिया ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी कहते थे कि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचना चाहिए और भाजपा का यही मूल सिद्धांत है।

भाजपा की सरकार ने कई योजनाओं के माध्यम से यह साकार कर दिखाया है। जिलाध्यक्ष यश अग्रवाल ने कहा कि भाजपा का प्रमुख उद्देश्य जन जन की सेवा करना है। इसी उद्देश्य के साथ भारतीय जनता पार्टी ने कई योजनाओं का क्रियान्वन करते हुए जनमानस को मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया हैं। भाजपा ने अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया है।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।